WWW.Kanchanujala.in
हिन्दी दैनिक
kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित
सच्चाई के साथ

एनसीबी ने कसा रिया चक्रवर्ती पर शिकंजा

वर्षः 01 अंक : 254 | लखनऊ, गुरुवार, 03 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

सरकारी अधिकारियों की क्षमता बढ़ाएगी कर्मयोगी योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी अधिकारियों के काम करने की शैली में सुधार के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को कर्मयोगी योजना को मंजूरी दे दी। इस मिशन के तहत नियुक्ति के बाद सिविल अधिकारियों समेत अन्य सरकारी कर्मचारियों की क्षमता बढ़ने के लिए उन्हें खास ट्रेनिंग दी जाएगी। केन्द्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि मिशन कर्मयोगी के जरिए सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपना प्रदर्शन बेहतर करने का मौका मिलगा। जावड़ेकर ने कहा कि मिशन कर्मयोगी के तहत सिविल सेवा क्षमता निर्माण योजनाओं को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली एक परिषद को मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री इस परिषद के सदस्य होंगे। केंद्रीय मेंत्री ने नेशनल रिक्रूटमेंट एजेंसी के निर्णय का जिक्र करते हुए कहा, पहले भर्ती के लिए अनेक परीक्षाएं छात्रों को देनी पड़ी थी। उसके बदले एक ही परीक्षा हो, ये सरकार द्वार किए गए सुधार का मूल उद्देश्य था। उसका स्वागत पूरे देश में हुआ। ये भर्ती से पहले का सुधार था, आज हम भर्ती के बाद के सुधार का निर्णय लेने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, सरकार के विभिन्न कर्मचारियों और अधिकारियों की कार्यक्षमता कैसे बढ़े, इसके लिए क्षमता वर्धन का लगातार कार्यक्रम चलेगा। इस योजना का नाम कर्मयोगी है। ये बेहद महत्वपूर्ण सुधार है। सरकार में मानव संसाधन का यह सबसे बड़ा सुधार है। लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरने वाले अधिकारी तैयार करना इसका मूल मकसद है। मिशन कर्मयोगी के तहत सिविल सेवा अधिकारियों को क्रिएटिव, कल्पनाशील, इनोवेटिव, प्रो-एक्टिव, पेशेवर, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और तकनीकी तौर पर दक्ष बनाकर भविष्य के लिए तैयार किया जाएगा। अधिकारियों की स्किल बढ़ाना, इस योजना का प्रमुख लक्ष्य होगा। भर्ती होने के बाद कर्मचारियों, अधिकारियों की क्षमता में लगातार किस तरह से बढ़ोतरी की जाए, इसके लिए राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (एनपीसीएससीबी) के तहत इस मिशन को शुरू किया गया है। डीओपीटी के सचिव सी चंद्रमौली ने कहा, यह योजना सरकार के एक सिविल सर्वेंट को कैसा होना चाहिए विजन पर आधारित है। इस मिशन में व्यक्तिगत (सिविल सर्वेंट) और संस्थागत क्षमता निर्माण दोनों पर फोकस किया जाएगा। सेक्शन ऑफिसर से लेकर सचिव स्तर के कर्मचारी इस योजना का लाभ ले सकेंगे। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद यह योजना लाई गई है। इससे कर्मचारियों के व्यक्तिनिष्ठ मूल्यांकन को समाप्त करने में मदद करेगा और उनका वैज्ञानिक तरीके से उद्देश्यपरक और समयोचित मूल्यांकन सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, मिशन कर्मयोगी सरकारी कर्मचारियों को एक आदर्श कर्मयोगी के रूप में देश सेवा के लिए विकसित करने का प्रयास है ताकि वे सृजनात्मक और रचनात्मक बन सकें और तकनीकी रूप से सशक्त हों। उन्होंने कहा कि पहले यह पूरी प्रक्रिया नियम आधारित थी जो अब कार्य आधारित होगी।

> सरकार के विभिन्न कर्मचारियों और अधिकारियों की कार्यक्षमता कैसे बढ़े, इसके लिए क्षमता वर्धन का लगातार कार्यक्रम चलेगा

चीन न करे कोई चालाकी, भारत ने अरुणाचल प्रदेश में बढ़ाई सैन्य ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनातनी के बीच भारत ने पूर्वोत्तर के राज्यों में सैन्य ताकत को बढ़ा दिया है। भारत और चीन के सैनिकों के बीच जून के मध्य में हुई हिंसक झड़प के बाद, अरुणाचल प्रदेश से लगती दोनों देशों की सीमा पर और अधिक जवानों की तैनाती की गई है। एशिया के दो दिग्गजों के बीच दशकों बाद जून महीने में इतनी भीषण स्थिति आई, जहां पर भारत के 20 सैनिक शहीद हुए और चीन के कई सैनिक मारे गए। लगातार बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण माहौल में कुछ नरमी के संकेत जरूर देखने को मिले हैं। लेकिन, पिछले महीने के अंत में फिर से पैंगोंग क्षेत्र में चीन ने उकसावेपूर्ण कार्रवाई की। अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में सैनिकों की आवाजाही दोनों देशों के बीच व्यापक टकराव के संकेत दे रही है। हालांकि, भारत के अधिकारियों ने इससे इनकार किया है। अंजाव की चीफ सिविल सर्वेंट आयुषी सूदन ने कहा कि निश्चित तौर पर सैन्य उपस्थिति में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन जहां तक टकराव की रिपोर्टों का सवाल है तो ऐसी कोई जानकारी अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि वहां भारतीय सेना की कई बटालियन वहां तैनात थीं। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प का जिक्र करते हुए आयुषी ने कहा कि गलवान घाटी की घटना के बाद, वहां पर सैनिकों की तैनाती में बढ़ोतरी की गई है। अरुणाचल प्रदेश साल 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध का केंद्र रहा था। सुरक्षा मामलों की जानकारी रखने वाले कहते हैं कि यह फिर से दोनों देशों के बीच टकराव की वजह बन सकता है। वहीं, भारतीय सैन्य प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल हर्षवर्धन पांडे ने कहा कि चिंता की कोई वजह नहीं है। क्षेत्र में पहुंचने वाले सैनिक नियमित रोटेशन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, %मूल रूप से, यह इकाइयां बदल रही हैं। ऐसा ही हो रहा है, हर बार होता है, ज्यादा कुछ नहीं। अरुणाचल से सांसद तापिर गाव ने कहा कि अब तक, उस मोर्चे पर चिंता की कोई बात नहीं है।

फूट डालो राज करो की नीति से पहले भी जीते, अब भी जीतेंगेः राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी का नाम लिए बिना उसे विभाजनकारी ताकत बताया और कहा कि ऐसी ताकतों से कांग्रेस पहले भी जीती है और वर्तमान परिवेश में भी इन ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देगी। श्री गांधी ने बुधवार को 'धरोहर' नाम से एक और वीडियो जारी किया जिसमें कहा गया है कि बंगाल विभाजन से लेकर देश को आजादी मिलने तक अंग्रेजों ने बराबर विभाजनकारी नीति अपनायी और सद्भाव बिगाड़कर शासन किया लेकिन देश जल्द ही उनकी नीति को समझ गया इसलिए कांग्रेस के नेतृत्व में देश की जनता ने उनकी इस नीति को हराया था। अंग्रेजों की इसी नीति पर चलते हुए आज भी देश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन कांगेस अब भी इस विघटनकारी नीति पर जीत हासिल करेगी। कांग्रेस नेता ने ट्वीट किया फूट डालो और राज करो' एक घिनौनी नीति थी और हमेशा रहेगी। ऐसी सोच को देश ने पहले भी पराजित किया था और आज भी करेगा क्योंकि भाईचारा और सद्भावना हमारे लोकतंत्र की नीव हैं। उन्होंने अपने ट्वीटर एकाउंट पर जो वीडियो पोस्ट किया है उसमें कहा गया है कि अंग्रेजों ने हिंदू तथा मुसलमानों के बीच फूट डाली और बंगाल का विभाजन कर बहुत बड़ी सफलता हासिल की थी लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व में देशवासी अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को समझ गये थे इसलिए पूरा देश उनके खिलाफ एकजुट हुआ और इस नीति पर जीत हासिल की गयी। उनका कहना था कि मौजूदा समय भी देश में माहौल बिगाड़ने की कोशिश चल रही है और कांग्रेस ऐसा माहौल तैयार करने वाली ताकतों को हरा देगी।

दिल्ली में दो माह बाद कोरोना के ढाई हजार से अधिक मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कोरोन धीरे-धीरे एक बार फिर अपना भयावह रूप दिखाने लगा है और पिछले 24 घंटों में दो माह के अंतराल के बाद वायरस के मामले ढाई हजार से अधिक आने ने चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार आए आंकड़ो में पिछले 24 घंटों में 2,509 नये मामले सामने आए। यह आंकड़ा दो जुलाई के बाद का सर्वाधिक है। इससे पहले तीन जुलाई को 2520 मामले सामने आए थे। राजधानी में कुल संक्रमितों की संख्या 1,79,569 पहुंच गई है । पिछले 24 घंटे में 19 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 4,481 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 1,858 कोरोना मरीज ठीक भी हुए है और अब तक कुल 1,58,586 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं।

कोरोना के 15 हजार मरीज बढ़े 62 हजार से अधिक संक्रमणमुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण की विकराल होती स्थिति के बीच पिछले 24 घंटों में 78 हजार से अधिक नये मामले सामने आये हैं और संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने से सक्रिय मामले 15 हजार से ज्यादा बढ़ गये हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के 62,026 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या 29,019,09 हो गयी है। इस दौरान कोरोना संक्रमण के 78,357 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 37,69,524 हो गया। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 15,286 बढ़कर 8,01,282 हो गये हैं। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान 1,045 लोगों की मौत से मरने वालों की संख्या 66,333 हो गयी है। देश में सक्रिय मामले 21.26 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.98 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.76 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 4,467 बढ़कर 1,98,866 हो गयी तथा 320 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 24,903 हो गया। इस दौरान 10,978 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,84,537 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं।

दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 934 बढ़ने से सक्रिय मामले 1,01,210 हो गये। राज्य में अब तक 4,053 लोगों की मौत हुई है, वहीं कुल 3,39,876 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 3,764 की वृद्धि हुई है और यहां अब 91,018 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 5,837 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,54,626 लोग स्वस्थ हुए हैं।

घरेलू उड़ानों की संख्या बढ़ाने की अनुमति

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने विमान सेवा कंपनियों को तत्काल प्रभाव से उड़ानों की संख्या बढ़ाने की अनुमति दे दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने आज एक आदेश जारी कर कोविड-19 से पहले मंजूर ग्रीष्मकालीन समय-सारणी की तुलना में 60 प्रतिशत उड़ानों की अनुमति दी है। अभी यह सीमा 45 प्रतिशत थी। आदेश में कहा गया है कि उड़ानों की संख्या में बदलाव की अनुमति तत्काल प्रभावी हो गई है। मंत्रालय ने कहा है कि नियमित घरेलू परिचालन की मौजूदा स्थिति और हवाई यात्रा की माँग को देखते हुये संख्या बढ़ाने का फैसला किया गया है।

राज्यों में लॉकडाउन को केन्द्र अकेले नहीं कर सकता है तयःममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि रायों में लगने वाले लॉकडाउन को केन्द्र अकेले नहीं तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि राय सरकार लागू करने वाली अथॉरिटी है और उसे अवश्य विश्वास में लिया जाना चाहिए। ममता ने आगे कहा, एक जिला प्रशासन जमीनी हकीकत को जानता है। यह हमारे संघीयता का आधार है इसलिए सभी को जरूर सहयोग करना चाहिए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राय में मेट्रो सर्विस शुरू करने के बारे में कहा, मुख्य सचिव और उनके कार्यालय की तरफ से लॉजिस्टिक्स को पालन कराने पर काम कर रहे हैं और इस महीने की 15 तारीख तक मेट्रो सेवा शुरू करने के बारे में आखिरकार फैसला कर लिया जाएगा। इससे पहले ममता ने कहा, कोविड-19 महामारी की वजह से उत्पन्न हालात के चलते पश्चिम बंगाल में मंगलवार को 75 प्रतिशत परीक्षार्थी जेईई की परीक्षा नहीं दे पाए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में कहा कि रायों को जीएसटी राजस्व की क्षतिपूर्ति से वंचित करना संघीय व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर रायों और केन्द्र के बीच के विश्वास को नहीं तोड़ने का अनुरोध करते हुए बनर्जी ने उनसे कहा, रायों को जीएसटी राजस्व क्षतिपूर्ति से वंचित करके देश की संघीय राजनीतिक व्यवस्था को असहनीय आघात ना पहुंचाएं। बनर्जी ने चार पन्नों के पत्र में लिखा है, माल एवं सेवा कर की जटिलताओं से मैं बहुत दुखी हूं, जो रायों के प्रति भारत सरकार के विश्वास और नैतिक जिम्मेदारी के उल्लंघन जैसा है। साथ ही मुख्यमंत्री ने लिखा है कि सहमति के फार्मूले के तहत कर लगाने के अधिकार को छोड़ने के लिए जीएसटी संग्रहण में आने वाली कमी की अगले पांच साल तक पूरी भरपाई का वादा किया गया था।

गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल के प्रसारण पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच न्यायालय ने नेटफ्लिक्स की फिल्म गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल के प्रसारण पर रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया। केंद्र की तरफ से भारतीय वायुसेना की गलत छवि पेश करने के आधार पर फिल्म का प्रसारण रोकने का आग्रह किया गया था। न्यायाधीश राजीव शकधर ने आज फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने से इंकार करते हुए केंद्र से सवाल किया कि ओवर द टॉप (ओटीटी) मंच पर फिल्म के प्रदर्शन से पहले वह मामला न्यायालय के समक्ष क्यों नहीं लाई। न्यायाधीश शकधर ने कहा अब कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता क्योंकि फिल्म प्रदर्शित हो चुकी है। फिल्म 12 अगस्त को ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित हो चुकी है। केंद्र की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि फिल्म भारतीय वायु सेना की गलत छवि पेश कर रही है।

यूपी में ग्राम विकास बैंक चुनाव में भाजपा की एकतरफा जीत

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के शाखा प्रतिनिधियों /अध्यक्ष के चुनाव में भाजपा को एकतरफा जीत हासिल हुई है। 323 शाखाओं में से 295 सदस्य भाजपा से चुने गए हैं। इस जीत के साथ ही बैंक की प्रबंध कमेटी पर भाजपा का कब्जा तय माना जा रहा है। सभापति, उप सभापति के नाम भी पार्टी संगठन ने तय कर लिए हैं। बैंक की प्रबंध कमेटी पर कब्जा करने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अगुवाई में महीनों से तैयारी चल रही थी। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव इस बैंक के सभापति रहे हैं, जिसकी वजह से इस चुनाव को बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा था। शाखा प्रतिनिधियों के चुनाव में एकतरफा जीत हासिल होने से भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई है। सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा है कि पार्टी संगठन व कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से यह जीत हासिल हुई है। बैंक की कुल 323 शाखाओं में से 11 शाखाओं का चुनाव स्थगित कर दिया गया था। शेष 312 शाखाओं में से 276 शाखाओं में भाजपा के प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए। अन्य शाखाओं पर चुनाव हुआ। इसमें से 19 शाखाओं पर भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीते। बैंक के 295 शाखाओं के प्रतिनिधि भाजपा से चुने गए हैं। शाखा प्रतिनिधियों द्वारा बैंक की प्रबंध कमेटी के सदस्यों का निर्वाचन 22 व 23 सितंबर को किया जाएगा। इस चुनाव के बाद बैंक के प्रबंध कमेटी पर भाजपा का कब्जा हो जाएगा। 23 सितंबर को बैंक के सभापति, उप सभापति और अन्य समितियों में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव होना है।

फेसबुक विवाद को लेकर संसदीय समिति की हुई बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। फेसबुक मुद्दे पर राजनीतिक घमासान के बीच आज संसद की सूचना प्रौद्योगिकी मामलों की स्थायी समिति की बैठक हुई है। संसद में हुई इस बैठक में फेसबुक इंडिया के एमडी अजीत मोहन भी शामिल हुए। बता दें कि समिति ने फेसबुक के प्रतिनिधियों को तलब किया था और यह नागरिक अधिकारों की रक्षा के विषय और सोशल मीडिया मंच के कथित दुरुपयोग पर उनके विचार सुनेगी। समिति ने फेसबुक से संबंधित मुद्दे पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों को भी तलब किया है। समिति की बैठक मंगलवार को होनी थी, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के निधन के कारण राष्ट्रीय शोक के चलते आज हो रही है। कांग्रेस ने कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया समूहों की खबरों का हवाला देते हुए मंगलवार को फेसबुक और भाजपा के बीच साठगांठ होने का आरोप फिर लगाया और दावा किया कि भारत के लोकतंत्र एवं सामाजिक सद्भाव पर किया गया हमला बेनकाब हुआ है। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि इस पूरे प्रकरण की तत्काल जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की हालिया खबर को ट्विटर पर साझा करते हुए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया, अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारत के लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव पर फेसबुक एवं व्हाट्सऐप के खुलेआम हमले को बेनकाब कर दिया है। वहीं, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने जुकरबर्ग को तीन पन्नों का पत्र लिखकर कहा कि फेसबुक के कर्मचारी चुनावों में लगातार हार का सामना करनेवाले लोगों और प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को कथित अपशब्द कहने वालों का समर्थन कर रहे हैं।

बॉर्डर पर तनाव के बीच सरकार ने पबजी समेत 118 मोबाइल ऐप्स पर लगाया बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-चीन के बीच सीमा पर लंबे समय से चल रहे तनाव के बीच केंद्र सरकार ने बुधवार को एक और अहम फैसला लिया है। सरकार ने चीन पर तीसरी डिजिटल स्ट्राइक करते हुए दुनियाभर में लोकप्रिय गेमिंग ऐप [illegible] समेत 118 मोबाइल ऐप्स को बैन कर दिया है। इससे पहले भी सरकार कई चीनी कंपनियों की ऐप को बन कर चुकी है। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने प्रतिबंधित की गईं ऐप्स को देश की सुरक्षा, संप्रभुता, एकता के लिए नुकसानदेह बताया है। ऐप्स को बैन किए जाने की जानकारी देते हुए आईटी मंत्रालय ने कहा, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69-ए के तहत इस फैसले को लागू किया है। ये सभी 118 मोबाइल ऐप्स विभिन्न प्रकार के खतरे उत्पन्न कर रही थीं, जिसके चलते इन्हें ब्लॉक किया गया है। मंत्रालय ने आगे कहा उपलब्ध जानकारी के मद्देनजर ये ऐप्स ऐसी गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता, सुरक्षा के लिए नुकसानदायक है। सरकार ने जिन 118 मोबाइल ऐप्स को बैन किया है, उनमें अपीयूएस लॉन्चर प्रो थीम, अपीयूएस सिक्योरिटी-एंटीवायरस, अपीयूएस टर्बो क्लीनर 2020, शाओमी की शेयर सेव, फेसयू, कट कट, बायडु, कैमकार्ड शामिल हैं। इसके अलावा, वीचैट रीडिंग, पिटू, इन नोट, स्मॉल क्यू ब्रश, साइबर हंटर, लाइफ आफ्टर आदि ऐप्स भी शामिल हैं। मंत्रालय ने आगे कहा, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को विभिन्न स्रोतों से कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें चोरी के लिए एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कुछ मोबाइल ऐप के दुरुपयोग और यूजर्स के डेटा का गलत इस्तेमाल शामिल है।आईटी मंत्रालय ने कहा कि भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, गृह मंत्रालय ने भी इन ऐप्स को ब्लॉक करने के लिए एक विस्तृत सिफारिश भेजी है। भारत की संप्रभुता के साथ-साथ हमारे नागरिकों की गोपनीयता को नुकसान पहुंचाने वाले ऐप्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया गया है।

7 सितंबर से 5 फेज में शुरू होगी दिल्ली मेट्रो

नई दिल्ली, एजेंसी। अनलॉक-4 के तहत 7 सितंबर से चलने वाली दिल्ली-एनसीआर मेट्रो के लिए सरकार ने बुधवार को गाइडलाइंस का ऐलान कर दिया। मेट्रो को पांच फेज में शुरू करने का फैसला लिया गया है। वहीं, मेट्रो की टाइमिंग में भी बदलाव किया गया है। मेट्रो सुबह सात बजे से लेकर 11 बजे तक और फिर शाम 4 बजे से लेकर रात आठ बजे तक चलेगी। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मेट्रो की गाइडलाइंस जारी करते हुए कहा, 7 सितंबर से मेट्रो सेवाओं को फेजवाइज तरीके से शुरू किया जाएगा। जिन मेट्रो सिस्टम में एक से अधिक लाइन हैं, वे अलग-अलग लाइनों को 7 सितंबर से फेजवाइज तरीके से खोलेंगे, ताकि 12 सितंबर तक सभी कॉरिडोर का संचालन शुरू हो जाए। कोरोना वायरस की वजह से कंटेनमेंट जोन में पड़ने वाले मेट्रो स्टेशनों को बंद रखने का फैसला लिया गया है। इन स्टेशनों पर मेट्रो नहीं रुकेगी। पुरी ने कहा, कंटेनमेंट जोन में आने वाले मेट्रो के स्टेशनों को बंद रखा जाएगा। यात्रियों को फेस मास्क पहनना जरूरी होगा। बिना लक्षण वाले लोग ही मेट्रो की यात्रा कर सकेंगे। यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। दिल्ली-एनसीआर मेट्रो को पांच फेज में शुरू किया जाएगा। सात सितंबर को यलो लाइन के साथ मेट्रो की शुरुआत होगी। वहीं, नौ सितंबर से दूसरे फेज में ब्लू लाइन- द्वारका से नोएडा व वैशाली लाइन, पिंक लाइन (मजलिस पार्क से शिव विहार) के बीच शुरू होगा। इसके बाद, 10 सितंबर से तीसरे फेज में लाइन एक, लाइन पांच और छह को खोला जाएगा। 11 सितंबर को लाइन 8 व 9 को खोला जाएगा। वहीं, बाद में 12 सितंबर को एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन को शुरू किया जाएगा।

ट्रेलर में घुसा डीसीएम चालक गम्भीर

खागा, फतेहपुर । कोतवाली के पूर्वी हाइवे पर सुजरही में चिकन की दुकान के पास प्रयागराज की ओर से फतेहपुर की तरफ जा रहे ट्रेलर चालक सुबह लगभग दस बजे जैसे ही रोड़ किनारे नाश्ता करने की दुकान देखी वैसे ही रूककर नाश्ता करने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिया। उसके पीछे चल रहे डीसीएम ट्रेलर में घुस गया, जिससे डीसीएम पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही चालक का एक पैर कट गया और दूसरा पैर भी पूरी तरह से टूट गया ओर वाहन में बैठा एक छोटा बच्चा घायल हो गया।

पुलिस छापा मार तीन जुआरियो को दबोचा

सात फरार, फड से नकदी व सात बाइकें बरामद

बकेवर, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के कंजरनडेरा बेंता गांव में पिछले काफी अर्से से चल रहे जुआड़ खाने में मुखबिर की सूचना के आधार पर छापा मारकर पुलिस ने 3 लोगों को जुआ खेलते हुए मौके से गिरफ्तार किया है । जबकि अन्य 7 लोग फरार हो गए। पुलिस को जुआ की फड़ से ?दस हजार पांच सौ व सात बाइकें भी बरामद हुई हैं।

थाना प्रभारी बकेवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर मुसाफा चौकी इंचार्ज मलखान सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने बीती शाम कंजरनडेरा बेंता गांव में चल रहे जुआड़ खाने में छापा

मारा। छापे में तीन जुआरी मौके पर जुआ खेलते गिरफ्तार किए गए। जबकि अन्य सात जुआरी फरार हो गए। जुआ की फड से ? दस हजार पांच सौ नकद,तास की गड्डी व सात बाइकें बरामद हुई हैं।

थाना प्रभारी के अनुसार बरामद बाइकों में पैशन प्रो ,हीरो होंडा साइन ,टीवीएस स्टार, बजाजप्लैटिना, हीरो स्प्लेंडर व डिस्कवर मोटरसाइकिल शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार शाहिद पुत्र मुन्ना निवासी दारागंज जहानाबाद ,हरिनारायण उत्तम पुत्र रामधनी उत्तम निवासी घनश्यामपुर थाना जहानाबाद व रामराज उत्तम पुत्र राजबहादुर ग्राम बौहारा जनपद कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया है । जबकि अन्य सात अज्ञात लोग फरार हो गये।

छापामारी करने गई टीम में मुसाफा चौकी प्रभारी मलखान सिंह, उपनिरीक्षक रितेश राय, सुखबीर सिंह, आदित्य नारायण सिंह, हेड कांस्टेबल देवी शंकर मिश्र , केसर खान, कांस्टेबल पुष्कर सिंह, प्रवीण कुमार व अंशुल आदि शामिल है।

डीएम ने विकास भवन कार्यालयों का किया निरीक्षण, लगभग दो दर्जन अधिकारी-कर्मचारी मिले नदारद

फतेहपुर ।जिलाधिकारी संजीव सिंह ने मटरगश्त अधिकारियों, कर्मचारियों पर चलाया चाबुक! कार्यालयों में देर से आने एवं गायब रहने वाले अधिकारियों कर्मचारियों पर सख्त हुए डीएम! विकास भवन स्थित कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण! 10 कार्यालय मिले बंद, 02 दर्जन से अधिक अनुपस्थित मिले अधिकारी-कर्मचारी! वेतन रोकने के दिए निर्देश! कार्यालयों में गंदगी, शौचालयों से उठती दुर्गंध,पत्रावलियों के खराब रखरखाव तथा दीवारों पर मसालों की पीक देख खफा डीएम ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई के दिए आदेश!

साइकिल सवार को बचाने में बाइक सवार घायल

बिंदकी, फतेहपुर । साइकिल सवार को बचाने में अनियंत्रित हुआ बाइक सवार सड़क में गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया दूसरे राहगीरों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लगी रही।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के कुंवरपुर रोड फिरोजपुर मोड़ पर साइकिल सवार को बचाने में बाइक सवार आदित्य पटेल उम्र 25 वर्ष पुत्र विश्राम पटेल निवासी अडेना थाना मलवा अनियंत्रित होकर सड़क में गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया दुर्घटना होते ही मौके पर भारी भीड़ लग गई गंभीर रूप से घायल आदित्य पटेल को राहगीरों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया उधर सूचना मिलने युवक के परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे प्राथमिक उपचार कराने के बाद युवक को इलाज के लिए बाहर ले गए।

घरेलू कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- ❑ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा
- ❑ ग्रामीणों के अनुसार नशे का आदी था मृतक युवक

बिंदकी, फतेहपुर । घरेलू कलह के चलते युवक ने गांव के समीप ही अपनी झोपड़ी के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया परिजनों को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ग्रामीणों के अनुसार मृतक युवक शराब और नशे का आदी था और आए दिन घर में झगड़ा करता था।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के जाफराबाद गांव निवासी सुरेश पासवान उम्र 35 वर्ष पुत्र होरी लाल पासवान ने मंगलवार की रात को गांव से पूरब दिशा करीब 500 मीटर दूर खेतों के बीच में बने अपनी झोपड़ी के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया परिजनों को जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया रात में ही ग्रामीणों की मौके पर भारी भीड़ लग गई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में ग्रामीणों ने शव को फांसी के फंदे से बाहर उतारा पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है वही ग्रामीणों ने बताया कि युवक नशे और शराब का गति का इसी को लेकर आए दिन घर में विवाद होता था इसके पहले भी वह एक या दो बार फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास कर चुका है युवक की मौत के बाद परिजन रो-रोकर बेहाल हो रहे थे घटना के दूसरे दिन बुधवार को भी युवक द्वारा आत्महत्या कर जान देने की चर्चा गांव क्षेत्र में होती रही।

कच्चा मकान ढहने से माँ व पुत्री की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत

बिन्दकी, फतेहपुर । कोतवाली क्षेत्र के घनवा खेड़ा गांव में कच्चा मकान ढह जाने से सरिता देवी उम्र 26 वर्ष पत्नी राहुल सोनकर तथा उसकी 05 वर्षीय पुत्री सुहानी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 04 वर्षीय पुत्र आयुष तथा 09 माह की बच्ची छोटी गंभीर रूप से घायल हो गए जिसको सीएचसी से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया उधर समाचार लिखें जाने तक विस्तृत घटना की जानकारी नहीं मिल पायी है।

विसर्जनः गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ

अमौली, फतेहपुर । ब्लाक क्षेत्र के ग्राम नसेनिया विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष भी गणपति महोत्सव कार्यक्रम के समापन पश्चात विधिवत पूजन के पश्चात विसर्जन किया गया। इस बार का कार्यक्रम विशेष खास रहा इस बार आयोजक की अगुवाई दस वर्षीय बालक बालिकाओं नैतिक पटेल, तान्या पटेल, द्वारा की गई, साथ मे उनके परिजनों का भी सहयोग रहा। बहुत ही छोटे छोटे बच्चों के द्वारा गणपति महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया और आज समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से गणपति महाराज का धूमधाम डीजे के साथ झूमते थिरकते हुए नगर भ्रमण प्रश्चात विसर्जन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर नितिन पटेल, उदय पटेल, सौरभ, सुलभ, सत्यम, डम्पी, निर्भय पटेल,माताएं,बहने, व

ग्रामवासी से विसर्जन कार्यकम में शिरकत किया।

कांग्रेस नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुख़र्जी को दी श्रद्धांजलि

जहानाबाद, फतेहपुर । कस्बे के मोहल्ला काजीटोला मे पूर्व चेयरमैन व कांग्रेसी नेता हाफिज अनवारुल हक की अध्यक्षता मे शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमे दिवंगत भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व चेयरमैन हाफिज अनवारुल हक ने कहा कि प्रणव दा राष्ट्रीय राजनीति में लगभग 05 दशक तक कुशल पुरोधा रहे ! प्रणव मुखर्जी जुलाई 2012 से जुलाई 2017 तक देश के राष्ट्रपति रहे ! वे देश के 13वें राष्ट्रपति थे! वर्ष 2019 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया था द्य उन्होने कहा कि प्रणव दा को उनके तेज दिमाग और शानदार याददाश्त की वजह से कांग्रेस का चाणक्य माना जाता रहा। कांग्रेस जनों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

इस मौके पर पूर्व चेयरमैन व कांग्रेसी नेता हाफिज अनवारुल हक, मो.जीशान नगर अध्यक्ष यूथ कांग्रेस, आरिफ, शिवगोपाल शुक्ला, सद्दाम, हरीश चंद्र गुप्ता, दानिश, पवन कुमार गोस्वामी, भगौती मिश्रा, सादिक अंसारी, राहुल यादव, गुलाम साबिर, शिवम, सिराजुल अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने छापेमारी कर आधा दर्जन जुआरी पकड़े

- जामा तलाशी व फड़ से मिले 7800 पए, दो मोबाइल व 52 ताश के पत्ते

बिंदकी, फतेहपुर । पुलिस ने छापेमारी की कार्रवाई कर आधा दर्जन जुआरियों को पकड़ा जिन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई से हड़कंप मचा रहा पुलिस ने जामा तलाशी व फड़ से 7800 पए दो मोबाइल ताश की गड्डी बरामद की।

मंगलवार को पुलिस ने नगर के मोहल्ला हजरत पुर ठठराही में छापेमारी की बड़ी कार्रवाई की जिसमें जुआ खेल रहे आधा दर्जन जुआरियों को पकड़ लिया गया। पुलिस को मौके से 7800 पए दो मोबाइल तथा ताश के 52 पत्ते मिले छापेमारी की कार्रवाई में कस्बा प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर महेंद्र प्रताप सिंह हेड कांस्टेबल असलम खान तथा कांस्टेबल संदीप तिवारी मौजूद रहे इस मामले में कस्बा प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की कार्रवाई की गई है जिसमें आधा दर्जन जुआरी पकड़े गए हैं।

तीन स्थानों पर मिले नौ नए कोरोना पॉजिटिव केस, सैनिटाइज कर की गई बैरिकेडिंग

लापरवाही के चलते नगर में लगातार बढ़ रहा कोरोनावायरस संक्रमण

बिंदकी, फतेहपुर । लोगों की लापरवाही का नतीजा है कि नगर में लगातार कोरोनावायरस संक्रमण बढ़ता जा रहा है 3 नए स्थानों पर 9 कोरोना पॉजिटिव केस मिलने के बाद नगर पालिका परिषद के अधिकारियों तथा तहसील के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर सैनिटाइजेशन कराया और कंटेनमेंट जोन को बैरिकेडिंग कर सील कर दिया गया नगर में लापरवाही का नतीजा है कि कोरोनावायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है।

नगर में लोगों की लापरवाही का कारण होने के कारण कोरोनावायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है इसी के चलते नगर के 3 नए स्थानों पर कुल 9 कोरोना पॉजिटिव के नए केस मिलने पर बुधवार को नगर पालिका

परिषद के सफाई इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, कस्बा लेखपाल भान सिंह, सफाई नायक रोशन दुबे, सफाई नायक योगेंद्र पाल, सफाई नायक धर्मेंद्र सोनकर व सफाई कर्मी शेखर पहुंचे कंटेनमेंट जोन में सैनिटाइज कर बैरिकेडिंग कर सील कर दिया गया। नगर में तहसील के पीछे नई कॉलोनी में एक ही परिवार के 04 सदस्य पॉजिटिव मिले वहीं दूसरी ओर नगर के कृष्णागंज मोहल्ले में दो पॉजिटिव केस मिले वही नगर के मोहल्ला खजुहा चौराहे के समीप मेन बाजार में एक ही परिवार के तीन सदस्य कोरोना पॉजिटिव मिले जिस पर इन सभी स्थानों पर सेंटेंस कर कंटेंटमेंट जेल में बेड कटिंग कर सील कर दिया गया लोगों से हिदायत दी गई कि घरों से बेवजह बाहर ना निकले बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें और मास्क लगाएं तथा समय-समय पर हाथ भी साफ करते रहे इस संबंध में नगर पालिका परिषद के सफाई स्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने बताया कि लोगों को बार-बार हिदायत दी जा रही है कि कोरोनावायरस संक्रमण से बचे लेकिन लोग लगातार लापरवाही कर रहे हैं इसी का नतीजा है कि नगर में कोरोनावायरस दिन पर दिन तेजी से बढ़ता जा रहा है वर्तमान समय में नगर में 87 कोरोना पॉजिटिव केस हो चुके हैं।

गणपति बप्पा को बच्चों ने पूजा अर्चना कर दी विदाई

अमौली, फतेहपुर। कोरोना ने इस बार सारे - त्योहार की रंगत फीकी कर दी। जो पर्व गाजे-बाजे के साथ मनाए जाते या शोभायात्रा निकाली जाती। थी इस बार सन्नाटे के बीच आयोजन संपन्न हुए। बुधवार को अपने घर पर जो गणेश जी की प्रतिमा को स्थापित किए हुए थे उन्हे भी विदाई दी गई। शहर से गांवो तक अलग अलग स्थानों पर मूर्ति को लोग खामोशी के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी गई तथा कोरोना से जल्दी मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की गई।

सांड के हमले से वृद्ध की दर्दनाक मौत

हुसैनगंज, फतेहपुर । थाना क्षेत्र के नरौली बुजुर्ग गांव में खेत से अपने घर जा रहे 60 वर्षीय वृद्ध पर सांड ने अचानक हमला कर दिया जिससे वृद्ध की मौके पर हुई मौत बीते मंगलवार की देर शाम किसान अपने खेत से वापस जा रहा था घर, रास्ते में सांड ने किया हमला वृद्ध किसान का पेट फटने से मौके पर हुई मौत इसके पूर्व में भी सांड के हमले में कई लोग हुए घायल ग्रामीणों की सूचना पर आज बुधवार सुबह मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर खंदक में घुसा

चालक को आई मामूली चोट

बिंदकी, फतेहपुर । तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर खंदक में घुस गया जिसके चलते ग्रामीणों में हड़कंप मचा रहा द्य ग्रामीणों ने पहुंचकर केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला द्य मामूली चोट होने पर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मडराव गांव के समीप बिंदकी से लालपुर की ओर जा रहा डम्फर अनियंत्रित होकर खंदक में घुस गया जिसके चलते हड़कंप मच गया द्य मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे द्य डंपर के केबिन में फंसे चालक सर्वेश कुमार उम्र 30 वर्ष निवासी चुरामन खेड़ा को बाहर निकाला गया द्य मामूली चोट होने पर पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया द्य हालांकि चालक ने बताया कि सामने से आ रहे मवेशी को बचाने के चक्कर में डम्फर अनियंत्रित हो गया और खंदक में चला गया।

राष्ट्रीय कृत बैंक शाखा शाह में स्थापित कराने को लेकर तय की रणनीति

फतेहपुर । उेग व्यापार मण्डल की सम्बद्ध इकाई शाह व्यापार मण्डल की बैठक कस्बा शाह के एक प्रतिष्ठान में आहूत की गई, मुख्य अतिथि के रूप में संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा उपस्थित रहे, बैठक की अध्यक्षता शाह

व्यापार मण्डल अध्यक्ष मोश इरफान ने की कस्बा शाह में प्रमुख समस्या राष्टीय ऋत बैंक न होने की वजह से अनेक प्रकार की समस्याओं से कस्बे के निवासी ग्राम के किसान व व्यापारी सहित महिलाएं छात्र छात्राये अनेक प्रकार की सुविधा से वंचित बने रहते है, जिसके आवंटन की मांग महाप्रबन्धक भारतीय रिजर्व बैंक से पूर्व में की जा चुकी है बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ शाह व्यापार मण्डल का प्रतिनिधि मंडल माननीय जिलाधिकारी महोदय को मांग पत्र देकर राष्ट्रीयकृत बैंक की शाखा के आवंटन की मांग करेगा साथ ही तय किया गया की व्यापारियों की सुविधा हेतु संगठन के कार्यालय का निर्माण किया जाएगा, साथ ही व्यापारियों की सुविधा हेतु समस्याओ, सुझाव शिकायतों हेतु पेटिका का आवंटन कराया जाएगा बैठक में राजाराम अग्रहरि, पप्पू गुप्ता, मितुल गुप्ता, विनोद सिंह, कासिम, कमलाकांत मिश्रा, लालू पठान, राजेन्द्र नारायण गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, विमल सट्टा, दीपक कुमार, सुशील गुप्ता उपस्थित रहे बैठक का संचालन महामंत्री अनिल वर्मा ने किया।

प्रदेश में कोविड-19 के 01 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाएं:योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके दृष्टिगत प्रदेश में प्रत्येक दशा में कोविड-19 के 01 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाएं। उन्होंने जनपद कानपुर नगर, वाराणसी, प्रयागराज तथा गोरखपुर में मेडिकल टेस्टिंग में वृद्धि करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी जनपदों में वेंटीलेटर्स,एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) को क्रियाशील रखा जाए। इस सम्बन्ध में आज शाम तक शासन को रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कोविड अस्पतालों में डायलिसिस मशीन की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि हेपेटाइटिस-बी के मरीजों के लिए प्रत्येक जनपद में डेडिकेटेड डायलिसिस मशीन की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कोविड तथा नॉन कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन के कम से कम 48 घण्टे के बैकअप की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग चिकित्सालयों में कम से कम 48 घण्टे की ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों से जनपदीय स्तर के साथ-साथ मुख्यमंत्री हेल्प लाइन के माध्यम से भी उनके स्वास्थ्य की निरन्तर जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता एव सेनिटाइजेशन के कार्य को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सितम्बर माह में वेक्टरजनित रोगों के प्रकोप की अधिक सम्भावना रहती है। इसके दृष्टिगत स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन की कार्यवाही में पूरी तत्परता बरती जाए। उन्होंने राजकीय कर्मियों की कार्यालयों में समय से उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में प्रभावी पर्यवेक्षण के साथ-साथ निरीक्षण किए जाएं। समय से उपस्थित न होने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नहरों को रोस्टर के अनुरूप पूरी क्षमता से संचालित किया जाए, ताकि किसानों को सिंचाई कार्य हेतु आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध हो सके। किसानों को खाद की उपलब्धता निरन्तर सुनिश्चित कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस कार्य में कोई शिथिलता न बरती जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में फसलों को हुए नुकसान का सर्वे कराते हुए किसानों को शीघ्र मुआवजा वितरित किया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में मकान के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में अनुमन्य राहत राशि का वितरण भी समयबद्ध ढंग से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके द्वारा मण्डलीय समीक्षा की जाएगी। मण्डलीय समीक्षा में 50 करोड़ रुपए से अधिक राशि की विकास परियोजनाओं के सम्बन्ध में मण्डलायुक्त प्रस्तुतिकरण देंगे। जिलाधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने जनपद की विकास योजनाओं के सम्बन्ध में प्रस्तुतिकरण दिया जाएगा। उन्होंने स्मार्ट सिटी मिशन तथा अमृत योजना की परियोजनाओं में तेजी लाने तथा इनकी प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने किया चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

मुख्य सचिव के ईमेल पर भेजा जागरूकता आंदोलन की नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में ऑनलाइन संयुक्त परिषद के चरणबद्ध जागरूकता आंदोलन की घोषणा करते हुए इसकी आधिकारिक सूचना प्रदेश के मुख्य सचिव के आधिकारिक ईमेल पर प्रेषित कर दिया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति अवगत कराया है कि संविदा,आउटसोर्स कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाए जाने, उनका नियमितीकरण किया जाना, नगर भत्ता सहित अन्य 12 भत्तों को काटे जाने ,जेम पोर्टल की कार्यवाही समय बद्ध किए जाने, कर्मचारियों की समस्याओं के निस्तारण के लिए अलग पोर्टल बनाए जाने, पुरानी पेंशन व्यवस्था की बहाली किए जाने, भारत सरकार के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 17 फरवरी 2020 एवं 11 जून 2020 का क्रियान्वयन प्रदेश में कराया जाने, रिक्त पदों को भरे जाने, कार्यालयों में हेल्प डेस्क सक्रिय किए जाने एवं 50: रोस्टर लागू की जाने, परिवहन निगम सहित अन्य सरकारी विभागों में निजी करण पर रोक लगाए जाने, कर्मचारियों का अनावश्यक उत्पीड़न रोके जाने, अनुसूचित प्राथमिक विद्यालयों को अनुदान सूची में लिए जाने एवं पदोन्नति के पदों को भरे जाने की मांग को लेकर मुख्य सचिव को जागरूकता आंदोलन की नोटिस भेज दिया है।

जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि कोविड-19 के दौरान कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहा है। 1000 से भी ज्यादा कर्मचारी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। अब जबकि प्रदेश अनलॉक की प्रक्रिया से गुजर रहा है, सभी सरकारी कामकाज सामान्य रूप से हो रहे हैं, मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री स्तर पर निरंतर बैठकें भी हो रही हैं, लेकिन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई रास्ता अभी भी नहीं खोला गया है, इससे कर्मचारियों में घोर निराशा एवं हताशा है। उन्होंने मुख्य सचिव को नोटिस भेजते हुए 20 सितंबर तक का समय दिया है और अवगत कराया है कि यदि समय रहते कर्मचारियों की मांगों पर कार्यवाही नहीं की गई तो 21 सितंबर से प्रदेश का कर्मचारी जागरूकता आंदोलन चलाएगा। यह आंदोलन चरणबद्ध रूप से चलाया जाएगा। कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने के लिए जनपद शाखा एवं संबद्ध संगठनों के माध्यम से मुख्य सचिव को पत्र भेजा जाएगा। तीसरे चरण में 23 अक्टूबर से 20 दिसंबर तक मंडल स्तर पर सम्मेलन कर कर्मचारियों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा चौथे एवं अंतिम चरण में 27 दिसंबर को लखनऊ में सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर मांगों का ज्ञापन दिया जाएगा। तिवारी ने मुख्य सचिव से अपील किया है कि कर्मचारी कोविड-19 के भगाने में लगा हुआ है, ऐसे में कर्मचारियों की मांगों पर तत्काल कार्यवाही किया जाए अन्यथा प्रदेश में बड़े आंदोलन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

वरिष्ठ पत्रकार अमृत मोहन का निधन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाचार एजेंसी पीटीआई भाषा के पत्रकार अमृत मोहन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वरिष्ठ पत्रकार अमृत मोहन दुबे का बुधवार सुबह यहां निधन हो गया। वह 48 वर्ष के थे। पीटीआई-भाषा के लखनऊ ब्यूरो में वरिष्ठ संवाददाता के पद पर कार्यरत अमृत मोहन पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। परिजन के मुताबिक अमृत की आज सुबह अचानक तबियत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी, एक बेटा और बहन है। उनका अंतिम संस्कार आज शाम किया जाएगा।

पोस्ट ऑफिस में खुलेंगे कॉमन सर्विस सेंटर, अब एक ही छत के नीचे मिलेंगी 73 जनोपयोगी सेवाएं

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना संक्रमण के इस दौर में आमजन को विभिन्न सेवाओं के लिए भटकना न पड़े और सारी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो सकें, इसके लिए अब डाकघरों में भी कॉमन सर्विस सेंटर की स्थापना की जा रही है। लखनऊ जीपीओ में पायलट फेज के तहत मई में इसे आरम्भ करने के बाद अन्य प्रधान डाकघरों में भी इसे आरम्भ किया गया है। लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र में जीपीओ के अलावा बाराबंकी, सीतापुर, रायबरेली, फैजाबाद, अकबरपुर प्रधान डाकघरों में कॉमन सर्विस सेंटर आरम्भ हो गए हैं। शीघ्र ही इसे एलएसजी लेवल तक के अन्य चयनित डाकघरों और चुनिन्दा शाखा डाकघरों में भी आरंभ किया जायेगा। उक्त जानकारी लखनऊ मुख्यालय परिक्षेत्र निदेशक डाक सेवाएँ कृष्ण कुमार यादव ने दी। निदेशक डाक सेवाएं कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि अब डाकघर से एक ही छत के नीचे केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की पब्लिक से जुड़ी कामन सर्विस की 73 सेवाएं मिलेंगी। जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र हो या फिर पैन कार्ड और पासपोर्ट के लिए आवेदन, यही नहीं प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम फसल बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना के लिए आवेदन करना हो, यह सभी कार्य डाकघर में स्थापित कॉमन सर्विस सेंटर में होंगे। मोबाईल और डीटीएच रिचार्ज हों या फास्ट टैग, बिजली, पानी, टेलीफोन, गैस का भुगतान हों अथवा बस, ट्रेन और फ्लाईट की टिकट बुकिंग हों, यह सभी कार्य अब यहीं से हों सकेंगे। आई.टी रिटर्न के अंतर्गत जीएसटी रिटर्न, टीडीएस रिटर्न, डीएससी, एलएलपी रजिस्ट्रेशन की सहूलियत भी कॉमन सर्विस सेंटर में उपलब्ध होगी। इन सबके लिये ऑपरेटरों को ऑनलाइन ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

भाजपा सरकार के वश में अब उत्तर प्रदेश का शासन-प्रशासन नहीं:अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के वश में अब उत्तर प्रदेश का शासन-प्रशासन नहीं रह गया है। सरकार जितना बता रही है कोरोना संक्रमण के आंकड़े उससे ज्यादा ही दिख रहे हैं। इतने प्रयत्नों और प्रोटोकाल के बाद भी कोरोना मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तक को अपना शिकार बना रहा है। इधर रोजाना अपराध का ग्राफ बढ़ता ही दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश की कानूनव्यवस्था का हाल यह है कि मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाएं जंगलराज की दहशत पैदा कर रही हैं। भाजपा इस सबसे मुंह छुपाने के लिए झूठ के सहारे अफवाह फैलाने वाली वारदात को अंजाम देने में लग गई है। छलकपट के साथ सोशल मीडिया पर भाजपा के इशारे पर अफवाह और नफरत फैलाने का व्यापार पुराना है। सत्ता की भूख में भाजपाई किसी हद तक जा सकते हैं फिर चाहे इसका परिणाम समाज में सद्भावना पर ही आघात कर दे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के एक फर्जी-ट्वीट को वायरल कर भाजपा ने सत्ता के झूठे नशे में एक शर्मनाक और कलंकित करने वाला काम किया है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। खुद मुख्यमंत्री के गृह जनपद में अपराधों पर नियंत्रण नहीं है। वहां बहू-बेटियां सुरक्षित नहीं रह गई है। एक मानसिक रूप से कमजोर युवती को अगवा कर उसके साथ सामूहिक बलात्कार की अमानवीय घटना ने तमाम सरकारी दावों-वादों की पोल खोल दी है। आगरा में एक निजी अस्पताल में डाक्टर ने 30,000 रूपये डिलीवरी फीस न दे पाने पर एक मां से नवजात शिशु को छीन लिया। भाजपा राज की इस कलंक कथा से सिर शर्म से झुक जाता है। राजधानी लखनऊ में युवा कारोबारी की हत्या हो गई। यहीं गोसाईंगंज में 28 अगस्त से गायब युवक का शव मिला। माल में बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई, बच्ची के कपड़े फटे थे, शरीर पर खरोंचे थी। इनके अतिरिक्त हरदोई में एक आश्रम में साधू, उनके बेटे और शिष्य की हत्या हुई। मथुरा में एक बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या हुई। उत्तर प्रदेश भाजपा राज में हत्या प्रदेश बन गया है। पूरे देश में इसकी बदनामी है। समाजवादी सरकार में उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में विकास कार्य हो रहे थे।

पितरों को स्मरण का दिन शुरू

लखनऊ, संवाददाता। हिंदू मान्यताओं के अनुसार पितरों को स्मरण करने का दिन पितृ पक्ष आज से शुरू हो गया है जो 17 सितम्बर तक चलेगा। इस अवधि में पितरों को तर्पण ,पिंड दान और श्राद्ध किया जाता है। भाद्रपद पूर्णिमा से अश्विन अमावस्या तक श्राद्ध पक्ष या पितृ पक्ष होता है। श्राद्ध पक्ष में जिस तिथि में पितरों का निधन हुआ हो ,उसमें जल,काला तिल,जौ,कुश और फूलों से श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि उस दिन गाय, कौआ,कुत्ता को ग्रास देने तथा ब्राह्मणों को भोजन कराने से पितृ का कर्ज उतरता है। लेकिन इस साल कोरोना को लेकर हालात कुछ अलग हैं। पितृ पक्ष में ब्राह्मण भोजन करने घर नहीं आयेंगे। उन्हें ऑनलाईन आमंत्रित किया जा रहा है। उन्हें पूजा और भोजन के बदले भुगतान भी ऑनलाईन ही करना होगा। श्राद्ध कर्म में शहर से गांव तक ब्राह्मणों को बुलाया जाता है लेकिन इस बार यह संभव नहीं है। कुछ सालों से संस्कृत कालेज के छात्र छात्राओं को भी श्राद्ध कर्म के लिये बुलाया जाने लगा है लेकिन लॉकडाउन के कारण सभी होस्टल खाली करा लिये गये हैं। किसी भी होस्टल में एक भी छात्र नहीं है। ब्राह्मणों और पुरोहितों की मौजूदगी नहीं होने के कारण भोज किसे करायें दसके लिये भी पंडितों की राय ली जा रही है। पंडित श्री कांत शर्मा कहते हैं कि वृद्ध आश्रम,कुष्ट आश्रम तथा जरूरतमंदों को भोजन करा पितरों की आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की जा सकती है।

बरेली स्थित जाट रेजिमेन्टल सेन्टर में हेडक्वार्टर्स कोटा के तहत सेना भर्ती रैली का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। यूनिट हेडक्वार्टस कोटा (यूएचक्यू) के तहत सैनिक सामान्य ड्यूटी, सैनिक ट्रेड्समेन (वाधयंत्र मुक्त श्रेणी) तथा खिलाड़ी (जो अभ्यर्थी 02 मार्च से 05 मार्च 2020 तक जाट रेजिमेंटल सेन्टर में स्पोर्ट्स ट्रायल में भाग लिए थे) और सैनिक लिपिक पदों हेतु भर्ती रैली आगामी 05 अक्टूबर 2020 से 15 अक्टूबर 2020 तक जाट रेजिमेन्टल सेन्टर (जेआरसी), बरेली में आयोजित की जायेगी। यह भर्ती रैली युद्ध विधवाओं के पुत्रों, जाट रेजिमेन्ट के भूतपूर्व एवं सेवारत सैनिकों, युद्ध के दौरान शहीद एवं घायल सैनिकों के पुत्रों तथा सगे भाइयों के लिये आयोजित की जायेगी। इसके अतिरिक्त इस भर्ती रैली में अन्य रेजिमेन्टों के भूतपूर्व एवं सेवारत सैनिको, युद्ध के दौरान घायल सैनिकों के भाई, पुत्र तथा कानूनी रूप से गोद लिये हुए बच्चों सहित सर्वश्रेश्ठ खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

प्रो. राजेश सिंह दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रोफेसर राजेश सिंह, कुलपति पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया, बिहार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर का कुलपति नियुक्त किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि राज्यपाल ने प्रोफेसर राजेश सिंह को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि प्रो0 राजेश सिंह की कुलपति पद पर नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए होगी।

चरित्रहीनता में आईपीएस अखिलेश के निलंबन, बर्खास्तगी की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने सीबीआई में कार्यरत यूपी कैडर के आईपीएस अफसर अखिलेश कुमार चौरसिया के विरुद्ध उनकी पत्नी स्फूर्ति मिश्रा द्वारा दी गयी शिकायत के आधार पर उन्हें निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की मांग की है,गृह मंत्री अमित शाह को भेजी शिकायत में उन्होंने कहा कि सुश्री स्फूर्ति द्वारा बताये गए तथ्य अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं, जिसमे श्री चौरसिया द्वारा लम्बे समय से अनैतिक व चरित्रहीन आचरण किये जाने के आरोप साक्ष्य सहित प्रस्तुत किये गए हैं। नूतन के अनुसार श्री चौरसिया का यह आचरण अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमावली 1968 के नियम 3 के सर्वथा विपरीत है तथा यदि ये आरोप सही हैं तो वे इस सेवा में रहने लायक नहीं है, अतः उन्होंने श्री चौरसिया को अविलंब निलंबित करते हुए उनके खिलाफविभागीय कार्यवाही शुरू करने तथा आरोप सही पाए जाने पर उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की मांग की गयी है।

आप कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालयों का किया घेराव प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में दलितों का उत्पीड़न और बदहाल कानून व्यवस्था के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने योगी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को आप की एससीएसटी विंग के कार्यकर्ता ने यूपी के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। लखनऊ में प्रदेश प्रवक्ता और आप जिलाध्यक्ष वैभव माहेशरी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कैसरबाग स्थित डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। जो जनता को सुरक्षा न दे सके जो वह सरकार निकम्मी है, पुलिस थानों में उत्पीड़न बंद करो3दलित महिला उत्पीड़न नहीं सकेंगे3जैसे स्लोगन लिखी तख्तियां हांथों में लिए आप कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस्तीफा देने की मांग की। लखनऊ के अलावां आजमगढ़ , आगरा, बरेली, गाजियाबाद, शामली, देवरिया, मेरठ, औरैया सहित प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर आप कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। बता दें कि आप के राज्य सभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा है कि योगीराज में प्रदेश के थाने दलित उत्पीड़न के केन्द्र बन गए हैं। दलित समाज को मारापीटा जा रहा है और थानों से गाली देकर भगाया जा रहा है। प्रदेश में जाति विशेष की सरकार चल रही है और उन्हीं की सुनवाई हो रही है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी को लिखा पत्र,उठाया बुनकरों का सवाल

बुनकरों के लिए 2006 से लागू विद्युत प्रतिपूर्ति फ्लैट रेट योजना बहाल होः अजय कुमार लल्लू

बुनकरों के लिए निर्धारित हो न्यूनतम बिजली का दामः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने प्रदेश के बुनकरों की खस्ताहाल स्थिति को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पॉवरलूम बुनकरों के लिए 2006 से लागू विद्युत प्रतिपूर्ति फ्लैट रेट योजना को पुनः बहाल करने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पॉवरलूम कुटीर उद्योग के लिए 2006 से चली आ रही व्यवस्था को समाप्त करते हुए जनवरी 2020 से मीटर रीडिंग आधारित प्रतिपूर्ति योजना को लागू कर दिया गया है, जिसके चलते पहले से ही संकटग्रस्त बुनकर समुदाय भुखमरी के कगार पर खड़ा हो गया है । श्री अजय कुमार लल्लू ने कोरोना संकट के मद्देनजर बुनकरों के लिए बिजली न्यूनतम दाम पर उपलब्ध कराये जाने की मांग की है। उन्होने कहा कि जब बुनकरों का सारा कारोबार चैपट हो चुका है, घर चलाने के लिए बुनकर रिक्शा चलाने और घर के सामान बेंचने को मजबूर हो गया है तो ऐसे में बिजली के दाम में बढ़ोत्तरी करना उन्हें मौत के मुँह में धकेलना होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान उन्होंने नियम 51 के तहत बुनकरों का सवाल प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से बुनकर हित के लिए कांग्रेस शासन में बनाये गये राम शाह कमीशन की रिपोर्ट को लागू किये जाने की बात कही थी। बुनकरों के आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन की समस्याओं को दूर करने के लिए अन्य आयोगों की भांति बुनकर आयोग का गठन किया जाए। उन्होंने मांग की कि हथकरघा उद्योग के बेहतरी के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाये।

लखनऊ की लचर चिकित्सा व्यवस्था ने एक और पत्रकार को लीला, एम्बुलेंस के इंतेजार में मर गये अमृत दुबे

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना महामारी के बीच उत्तर प्रदेश की बदहाल चिकित्सा व्यवस्था 'दाद में खाज' वाली कहावत को चरिचार्थ कर रही है। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। इंडिया टुडे के कोरोना संक्रमित पत्रकार नीलांशु शुक्ला की मौत के कुछ ही घण्टे बाद इस महामारी ने एक और पत्रकार की जान ले ली। लखनऊ निवासी पीटीआई के पत्रकार अमृत दुबे कवरेज के दौरान कोरोना की चपेट में आ गए थे। वह होम आइसोलेशन में थे। बुधवार सुबह पत्रकार अमृत दुबे की हालत अचानक बिगड़ गई। अमृत दुबे की हालत बिगड़ने की खबर सोशल मीडिया पर फैली तो राजधानी के मीडियाकर्मियों में हड़कंप मच गया। पत्रकारों ने जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश को मामले की जानकारी देकर तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया। हालांकि एंबुलेंस पहुंचते -पहुंचते काफी देर हो चुकी थी।

प्रॉपर्टी डीलर की उसके ही दोस्तों ने दिनदहाड़े गोली मारकर की हत्या, मचा हड़कंप

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में अपराधी बेलगाम हैं। बुधवार को राजधानी लखनऊ में दिनदहाड़े एक प्रॉपर्टी डीलर की घर में घुसकर हत्या कर दी गई। मामला पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी सेक्टर 14 स्थित बरौली का है जहां बदमाशों ने घर में घुसकर प्रॉपर्टी डीलर दुर्गेश यादव को गोली मार दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल दुर्गेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने केस से जुड़े एक आरोपी मनीष यादव को उसकी गाड़ी के साथ गिरफ्तार भी कर लिया है। दुर्गेश के साथ रहने वाले एक साथी ने बताया कि बुधवार सुबह करीब आठ बजे एक ऑडी व एक स्कॉर्पियो कार में 7-8 लोग सवार होकर घर आए, जिसमें एक महिला पलक ठाकुर भी शामिल थी, जो गोमती नगर विस्तार में रहती है। उसके साथ मनीष यादव नाम का एक लड़का भी था। बताया जा रहा है मनीष साथ में अन्य लोग दुर्गेश के साथ ही प्रापर्टी डिलींग का काम करता थे। वे सभी लोग सुबह घर में घुसे और दुर्गेश को तलाशने लगे। तभी पता चला कि दुर्गेश बाथरूम में है। इसपर बाथरूम का दरवाजा खटखटा कर दुर्गेश को बाहर निकाला गया। बाहर निकलते ही पहले दुर्गेश को बुरी तरह पीटा गया। सभी लोग घर के बाहर आए, जिसके बाद उसे गोली मार दी गई। मामले पर एसीपी कैंट बीनू सिंह ने बताया कि सुबह दो कार में सवार हो लोग दुर्गेश के घर आए थे। सभी ने अंदर बैठकर काफी देर तक बातचीत की। बाहर जाते समय किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस को आशंका है कि रुपए के लेनदेन में ही विवाद हुआ है, जिसके बाद दुर्गेश को गोली मारी गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बदमाशों की तलाश में जुट गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 68 लाख रुपये के लेन-देन की बात सामने आई है। वहीं मृतक दुर्गेश यादव गोरखपुर का हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ लूट ,रंगदारी, धोखाधड़ी जैसे लखनऊ व गोरखपुर में आठ से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। दो साल पहले उसके खिलाफ हजरतगंज थाने में नौकरी के नाम पर ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ था। वहीं कड़ा गया आरोपी मनीष यादव फर्रुखाबाद के शिकोहाबाद का रहने वाला है।

उ0प्र0 में दलितों पर पुलिसिया जुल्म बढ़ता जा रहा: माकपा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने अपने एक प्रेस बयान में डा0 कफील के तत्काल रिहा करने के आदेश का स्वागत करते हुए कहा है कि यह स्पष्ट हो गया कि डा0 कफील को साम्प्रदायिक और विद्वेषपूर्ण साजिश के तहत बिना उचित आधार के उत्पीड़ित किया जा रहा है। डा0 कफील पर रासुका लगाये जाने और इसकी अवधि बढ़ाने, दोनों को माननीय न्यायालय ने कानून की दृष्टि से अवैधानिक और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कहा है। डा0 कफील के भाषण में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की बात कही गयी थी जिसे भड़काऊ एवं अशांति पैदा करने वाला कहा गया था। इससे स्पष्ट हो गया कि सरकार के विरोध में आवाज उठाने एवं जनतांत्रिक अधिकारों को कुचलने के लिए भाजपा की योगी सरकार किस तरह अवैधानिक रूप से उत्पीड़नात्मक कार्यवाही कर रही है।

ऑनलाइन पढ़ाने के बजाय शिक्षक हॉट स्पाट में निभा रहे है सेक्टर प्रशासनिक अधिकारी की ड्यूटी

पढ़ाई के अलावा बाकी सारे काम शिक्षकों से करवा रहा है जिला प्रशासन पढ़ाने के बजाय शिक्षक कर रहे है बारह घण्टों की हॉट स्पाट में ड्यूटी

लखनऊ, संवाददाता। एक तरफ शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी ऑनलाइन पढ़ाई के बड़े-बड़े दावे कर रहा है। वही दूसरी तरफ माध्यमिक के शिक्षकों की ड्यूटी कोरोना हॉट स्पाट में लगाकर उनके वास्तिविक कार्य पठन-पाठन से वंचित कर रहा है।

राजधानी के ऐसे सैकड़ों शिक्षकों को जो राजकीय जुबली, राजकीय हुसैनाबाद सहित अन्य विद्यालयों में तैनात है। उनको सेक्टर प्रशासनिक अधिकारी बना कर शहर के हॉट स्पाटों में तैनात कर दिया है। जो एसीएम और एडीएम के अधीन अपनी अपनी ड्यूटी कर रहे है। इन अध्यापकों की ड्यूटी कोरोना संक्रमण के खतरे वाले हॉट स्पाट में कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुपालनार्थ लगायी गयी है। इनका मुख्य कार्य अपने इलाके में भ्रमणशील रहना है।

साथ ही तैनात नगर निगम कर्मियों और स्वास्थ्य विभाग से तालमेल कर सफाई, सैनिटाइजेशन और हॉट स्पाट में खाद्य पदार्थो की आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। साथ प्रतिदिन की रिपोर्ट को जिलाधिकारी कार्यालय भेजना है। शिक्षक सुबह सात से शाम सात बजे या आठ बजे से आठ बजे तक कोरोना ड्यूटी करने पर मजबूर है। यह सिलसिला जुलाई से चल रहा है। जुलाई से आरम्भ हुआ यह कोरोना ड्यूटी का सिलसिला अभी भी अगले आदेशों तक चल रहा है। इस बीच शिक्षक पढ़ाई से विरत् है। जबकि हकीकत में जिलाधिकारी कार्यालय में प्रतिदिन कोई रिपोर्ट नहीं भेजी जा रही है। बस सरकार को दिखाने के लिये औपचारिकता ही की जा रही है।हॉट स्पाट में ड्यूटी पर कार्यरत शिक्षको ने बताया कि कोरोना संक्रमण के खतरों के बीच भी ड्यूटी करने में कोई आपत्ति नहीं है। परन्तु सरकार को हमें भी डाक्टर और पुलिस की तरह कोरोना योद्धा का सम्मान देना चाहिये।

चीन की नापाक कोशिशों पर रहे नजर

मई से चीन एलएसी पर लगातार घुसपैठ कर रहा है. हाल ही में उसने रात के अंधेरे में पैंगोंग झील के पास एक बार फिर घुसपैठ की है. चीन की इन हरकतों से ऐसा लग रहा है कि वह पाकिस्तान, नेपाल और ईरान के साथ मिलकर भारत पर दबाव बनाना चाहता है. क्योंकि भारत ने शुरू से ही चीन के आर्थिक गलियारे, जो पाकिस्तान से होकर गुजर रहा है, का विरोध किया है और कहा है कि यह भारत के संप्रभु क्षेत्र से होकर गुजरता है, इसलिए भारत इस गलियारे को स्वीकृति नहीं देगा.इसके लिए भारत से स्वीकृति नहीं ली गयी है. इसलिए चीन को यह डर लगता है कि भारत कहीं कुछ सख्त कदम न उठा ले, जिससे उसके आर्थिक गलियारे का काम प्रभावित हो जाये. इसी डर के कारण वह भारत पर पाकिस्तान, नेपाल और ईरान के माध्यम से दबाव बनाकर रखना चाहता है, ताकि वह अपने इस आर्थिक गलियारे को मजबूती प्रदान कर सके. दरअसल, इस आर्थिक गलियारे से चीन की बहुत सी बड़ी परियोजनाएं जुड़ी हुई हैं, जिसके जरिये वह महाशक्ति बनने का सपना संजोये बैठा है. इसमें पहले स्थान पर है आर्थिक व सैन्य महाशक्ति बनना. उसे लगता है कि पाकिस्तान के कारण, महाशक्ति बनने की उसकी महत्वाकांक्षी राह में भारत रोड़ा अटका सकता है. इसलिए वह बार-बार इस तरह की हरकतें कर रहा है, ताकि भारत पर दबाव बना सके. जबकि उसका मुख्य झगड़ा हांगकांग, ताइवान और दक्षिण चीन सागर में है. चीन द्वारा बार-बार एलएसी पर घुसपैठ का एक कारण पाकिस्तान भी हो सकता है, क्योंकि वह बार-बार चीन को भारत के खिलाफ बरगला रहा है. इसलिए उसे भारत को लेकर बहुत डर लग रहा है. दूसरे, पाकिस्तान चीन से पैसा मांग रहा है, क्योंकि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काफी डांवाडोल हो रही है. सउदी अरब ने उसे पैसा दिया नहीं है. चीन से पैसा मांगने गया, तो उसने भी मना कर दिया. चूंकि चीन ने पाकिस्तान को पैसे देने से मना कर दिया है, इसलिए वह भारत के उपर दबाव बनाकर पाकिस्तान को इस तरह से मदद देना चाहता है.

चीन की इस हरकत का भारत को जवाब देना होगा. हमारी सुरक्षा को मजबूत करके रखना होगा और चीन को बताना होगा कि उसकी मनमानी नहीं चलेगी. भारत अपनी संप्रभुता से उसे खिलवाड़ नहीं करने देगा. चीन के साथ जब हम राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत करने के लिए तैयार हैं, तो चीन को भी चाहिए कि वह बातचीत के लिए आगे आये . भारत एक शांतिप्रिय देश है, लेकिन वह कभी नहीं चाहेगा कि चीन उसकी संप्रभुता के साथ खिलवाड़ करे और उस पर प्रभाव डालने की कोशिश करे. पाकिस्तान को आतंकवाद को बढ़ावा देने में मदद करे. ईरान, अफगानिस्तान समेत अन्य देशों में आतंकवाद को फैलने में परोक्ष रूप से सहायता दे. ऐसी स्थिति भारत के लिए बहुत मुश्किलें पैदा कर सकती हैं. इसलिए भारत को इन बातों को भी ध्यान में रखना है कि पाकिस्तान में जो आतंकवाद फैल रहा है, उसमें चीन किस तरह से उसकी मदद कर रहा है. चीन, पाकिस्तान के साथ मिलकर भारतीय क्षेत्रों में आर्थिक गलियारा बना रहा है, और इस क्षेत्र में अपने सैनिकों की तैनाती कर रहा है. और अब तो इसने एलएसी पर, जहां पहले बात चलती रहती थी, वहां अपने सैनिकों को भेज रहा है. इसलिए चीन को इस बात को समझाने की आवश्यकता है कि यह सब नहीं चलेगा. भारत कभी नहीं चाहेगा कि उसकी संप्रभुता को कोई चुनौती दे, वहां आतंकवाद फैलाये. भारत यह भी नहीं चाहेगा कि चीन और बाकी के देश मिलकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश करें. चीन के सभी पड़ोसी देश इस समय उससे काफी नाराज हैं. इस समय चीन के साथ केवल नेपाल, पाकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान ही हैं. दक्षिण चीन सागर में भी उसके साथ एक देश नहीं खड़ा है. जहां तक दक्षिण चीन सागर में अमेरिका, भारत समेत अन्य देशों के युद्धपोतों की तैनाती की बात है तो वहां अभ्यास चलता रहता है. हिंद-प्रशात महासागर को लेकर अमेरिका की रणनीति ओपन सी रखने की है. भारत भी मानता है कि ओपन सी की रणनीति होनी चाहिए. इसलिए वहां भारत समेत बहुत से देश अभ्यास कर रहे हैं. चीन ने हिंद महासागर के भी कई द्वीपों पर कब्जा किया हुआ है, वहां अपने सैन्य अड्डे बनाये हैं, और भारत को चारों तरफ से घेरने की कोशिश की है, जिसकी उसे कोई आवश्यकता नहीं है. इसलिए दक्षिण चीन सागर में चीन को यह भी संदेश देना है कि यहां भी ओपन सी की रणनीति अपनायी जानी चाहिए. दूसरे, इस क्षेत्र में भारत के सभी मित्र देश की मौजूदगी है, सभी आसियान में शामिल देश हैं. अपने इन्हीं मित्र देशों के साथ मिलकर भारत चाहता है कि यह पूरा क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत खुला रहे, न कि किसी एक के कब्जे में. चीन का यह कहना कि भारत ने एलएसी पार किया है, एकदम गलत बात है. एलएसी का सीमांकन ही नहीं हुआ है, इसीलिए वहां का क्षेत्र काफी विस्तृत है. किसी जमाने में वहां भारतीय और चीनी सैनिक दोनों जाते रहते थे. लेकिन अब चीनी सैनिकों ने वहां के कई स्थानों पर स्थायी निर्माण करना शुरू कर दिया है, जिसका भारत ने विरोध किया है. यदि भारतीय सैनिकों ने उनके उस निर्माण को हटा दिया है या उसे अपने कब्जे में ले लिया है, तो इसका अर्थ चीन को केवल इतना बताना है कि इस जगह स्थायी निर्माण नहीं हो सकता है, जब तक कि दोनों देश बातचीत के द्वारा आपस में तय ना कर लें कि एलएसी का किस तरीके से सीमांकन करना है. चीन एकतरफा बात करने की जो कोशिश करता है, वह नहीं चल पायेगा. अक्साई चिन को लेकर चीन के मन में क्या चल रहा है, यह तो नहीं बताया जा सकता, लेकिन अक्साई चिन को वापस लेने का भारत का अभी कोई एजेंडा है. लेकिन अगर चीन अमेरिका के साथ भिड़ जाता है, तो हो सकता है कि अमेरिका तिब्बत की मदद को और बढ़ा दे, क्योंकि अमेरिका ने पहले से ही तिब्बत को ज्यादा मदद की कोशिश की है. यदि तिब्बत के मसले पर अमेरिका और चीन के बीच शीत युद्ध या युद्ध की स्थिति बनती है तब फिर अपने आप ही अक्साई चिन भारत के साथ मिल जायेगा.

सम्पादकीय

भरोसेमंद संकटमोचक थे प्रणब दा

डॉ प्रणब मुखर्जी शायद देश के वैसे बेहतरीन प्रधानमंत्री थे, जो कभी उस पद पर नहीं रहे. कोलकाता में डाक-तार विभाग के एक कार्यालय में एक क्लर्क की राष्ट्रपति भवन तक की यात्रा हमारे दौर की सबसे शानदार कथा है. राजनीति शास्त्र और इतिहास में परास्नातक और कानून की डिग्री की बदौलत मुखर्जी को एक कॉलेज में सहायक प्राध्यापक का पद हासिल हुआ. बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने कुछ समय के लिए कोलकाता से निकलनेवाले पत्र 'देशेर डाक' के लिए पत्रकारिता भी की थी.उनका राजनीतिक करियर साठ के दशक में शुरू हुआ, जब इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं. उन्होंने मुखर्जी को राज्यसभा में भेजा और इस तरह वे दिल्ली आ गये. साल 1977-78 में जब कांग्रेस के अधिकतर दिग्गज नेताओं ने इंदिरा गांधी का साथ छोड़ दिया, तब प्रणब मुखर्जी उनके साथ बने रहे और पार्टी के कोषाध्यक्ष के रूप में भी काम किया. वह दौर पार्टी और इंदिरा गांधी के लिए बहुत संकटपूर्ण था. जब 1980 में इंदिरा गांधी ने सत्ता में वापसी की, तो मुखर्जी उनके बड़े संकट मोचक के रूप में उभरे. साल 1984 में 'यूरोमनी' पत्रिका ने इन्हें दुनिया के पांच बेहतरीन वित्तमंत्रियों में शुमार किया था. इंदिरा गांधी और उनके बीच भरोसे का ऐसा रिश्ता था कि कुछ अवसरों में उन्हें ऐसे दायित्व भी संभालने के लिए सौंपे जाते थे, जिनमें उन्हें तीन सबसे वरिष्ठ मंत्रियों- आर वेंकट रमण, पीवी नरसिम्हा राव और नारायण दत्त तिवारी- के ऊपर निर्णय लेना होता था. मुखर्जी के साथ मंत्रिमंडल में रहे लोगों के अनुसार, वे बैठकों में इस तरह से सहमति बनाने में कामयाब होते थे कि प्रधानमंत्री का काम आसान हो जाता था. उन्होंने कई मंत्रालयों को संभाला था और कानून, इतिहास, वित्त आदि कई विषयों पर उन्हें महारत हासिल थी. डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल में तो वे एक दर्जन से भी अधिक मंत्रियों की समितियों के प्रमुख होते थे. राजनीतिक स्तर पर देखें, तो मुखर्जी इंदिरा युग से लेकर मनमोहन सिंह तक मुश्किलों को हल करनेवाले के तौर भी सामने आते हैं. इंदिरा गांधी ने 1982 में एआर अंतुले का इस्तीफा लेने में उनकी मदद ली थी, जिनका नाम भ्रष्टाचार के एक मामले में आ गया था और वे पद छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे. उस दौर में कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों को लगातार बदलने में भी इंदिरा गांधी उनका सहयोग लेती थीं. कई दशकों तक फैले अपने राजनीतिक करियर में गांधी परिवार के साथ मुखर्जी का संबंध असमान रहा था. जहां वे इंदिरा गांधी और संजय गांधी के लिए बहुत भरोसेमंद थे, वहीं राजीव गांधी और सोनिया गांधी से उनके रिश्तों में उतार-चढ़ाव रहा. संस्मरणों की अपनी किताब में मुखर्जी ने स्पष्ट किया है कि उनके संबंधों का समीकरण गांधी परिवार के विभिन्न सदस्यों के साथ कैसा रहा था. राजीव गांधी से उनके तनावपूर्ण संबंधों की शुरुआत श्रीमती गांधी की हत्या के तुरंत बाद हो गयी थी. वे उस समय केंद्रीय वित्त मंत्री थे और कांग्रेस में इंदिरा गांधी के बाद उन्हीं का स्थान माना जाता था, परंतु प्रणब मुखर्जी को कार्यकारी प्रधानमंत्री नहीं बनाया गया. उस समय की अफवाहों का उनके राजनीतिक करियर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा. इंदिरा गांधी की हत्या के समय उनके पुत्र व कांग्रेस महासचिव राजीव गांधी तब बंगाल के दौरे पर थे. प्रणब मुखर्जी भी उस समय राजीव गांधी के साथ थे तथा दोनों एक ही वायुयान से दिल्ली पहुंचे थे. कुछ लोगों का कहना है कि इंदिरा गांधी की हत्या से मुखर्जी अत्यंत दुखी थे. वे वायुयान के शौचालय में जाकर रोये और फिर यान की पिछली सीट पर ही बैठ गये. लेकिन कांग्रेस में उनके विरोधियों ने यह बात चला दी कि वे पीछे बैठ कर राजीव गांधी के खिलाफ योजना बना रहे थे. यह भी कहा जाता है कि राजीव गांधी ने जब 'कार्यकारी प्रधानमंत्री' की बाबत 'सैद्धांतिक प्रश्न' उठाया, तो प्रणब मुखर्जी ने 'वरिष्ठता' पर जोर दिया. इसे बाद में प्रधानमंत्री पद के लिए उनकी इच्छा के रूप में प्रचारित किया गया. मुखर्जी कहते थे, उनसे कई बार पूछा गया कि क्या वे राजीव गांधी से ईर्ष्या करते थे? इसके जवाब में वे इंडिया टुडे के एडिटर अरुण पुरी को दिये गये राजीव गांधी के इंटरव्यू का जिक्र करते थे. इसमें राजीव गांधी ने स्वीकार किया था कि उन्हें बाद में आभास हुआ कि उनके (प्रणब मुखर्जी के) बारे में कही गयी कई बातें गलत थीं. खुद मुखर्जी को लगता था कि कांग्रेस के पुराने दिग्गजों, जैसे कमलापति त्रिपाठी व वसंत दादा पाटिल से उनकी निकटता ने राजीव को नाराज कर दिया. मुखर्जी के अनुसार, उन्हें राजीव गांधी की उनके प्रति बढ़ती नाराजगी व उनके आसपास मौजूद लोगों पर उनकी निर्भरता से स्थिति भांप लेना चाहिए थी, 'लेकिन जैसी कि मेरी प्रकृति है, मैं अपने कामों में व्यस्त रहा.' स्थिति यह आ गयी कि अप्रैल, 1986 में उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया. मुखर्जी के अनुसार, जब उन्हें पार्टी से निकाला गया, तो किसी ने उन्हें सूचित करने तक का कष्ट नहीं किया. बाद में जब धुंध हटी, तो मुखर्जी वापस कांग्रेस के क्षत्रपों में शामिल हो पाये. कई लोगों का मानना है कि वर्ष 2012 में प्रणब मुखर्जी ने खुशी-खुशी राष्ट्रपति बनना इसलिए स्वीकार कर लिया कि वे दूसरे गुलजारीलाल नंदा नहीं बनना चाहते थे.

कोरोना से ज्यादा खतरनाक है, लालची इंसान

वैसे तो दुनिया में महामारियां बहुत आई हैं और भविष्य में भी आती रहेंगी, परंतु कोविड-19 महामारी थोड़ी अलग इसलिए है क्योंकि इसने पूरी दुनिया की आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ लालची मानव को उन सारी गतिविधियों पर भी पाबंदी लगाने पर मजबूर कर दिया जिनसे लालची मानव प्रकृति को बेहिसाब नुकसान पहुंचा रहा था और खुद को ईश्वर या प्रकृति की व्यवस्था से भी बढ़कर समझने लगा था। धरती पर निवासरत इंसान यह भूल गया था कि प्रकृति की अपनी एक व्यवस्था है और उसी व्यवस्था के अनुसार पूरी दुनिया पिछले हजारों वर्षों से चल रही है। वह भूल गया था कि हमें प्रकृति की इस व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की बिल्कुल भी कोशिश नहीं करना चाहिएय हमें सिर्फ प्रकृति की व्यवस्था में सहायक की भूमिका निभानी चाहिए और प्रकृति को उसका कार्य स्वतंत्रतापूर्वक करने की आजादी देना चाहिए, इसी में पूरी दुनिया की और हमारी आने वाली पीढ़ियों की भलाई है। लगता है, उसकी इसी भूल का अहसास करवाने और हमें अपने कृत्यों पर विचार करने का अवसर उपलब्ध करवाने महामारी आई है। ऐसा नहीं है कि कोरोना आने से पहले इस दुनिया में लोग मर नहीं रहे थे। कोरोना से पहले भी लोग मर रहे थे और कोरोना खत्म हो जाने के बाद भी मरेंगे, क्योंकि कोरोना के साथ इंसान के लालच का शायद ही अंत हो। कोरोना से पहले, दुनियाभर की सरकारों द्वारा जनता को दिखाया गया आधुनिकता के आडंबर और विकास का सपना मार रहा था। दूसरे शब्दों में कहें तो इंसान के कभी कम न होने वाले लालच का शिकार हो रहे थे। यह इंसानी लालच जितने बड़े पैमाने पर जीवन को लील रहा है उतने बड़े पैमाने पर तबाही मचाने के लिए कोविड-19 जैसे हजारों वायरस भी कम पड़ेंगे। मध्यप्रदेश के महिला एवं बाल विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में जनवरी 2016 से जनवरी 2018 के बीच करीब 57,000 बच्चों ने कुपोषण के चलते दम तोड़ दिया। मध्यप्रदेश में हर रोज 92 बच्चों की मौत कुपोषण के चलते होती है, जबकि सरकार हर साल कुपोषण मिटाने के लिए करोड़ों-अरबों रुपये खर्च करती है। कहने की आवश्यकता नहीं कि ये पैसे किसके लालच की भेंट चढ़ जाते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने एक्सीडेंटल डेथ्स और सुसाइड नामक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2016 में 11 हजार 379 किसानों ने आत्महत्या की थी। यानी हर महीने 248 और हर दिन 31 किसानों ने अपनी जान दी। हर साल हजारों करोड़ रुपये किसानों और खेती की दशा सुधारने के लिए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन उनका कोई अता-पता नहीं चलता। हर घंटे एक महिला की दहेज हत्या होती है, तीन साल में करीब 25 हजार मौतें। तब भी दहेज लोभियों का कोई अंत होता नजर नहीं आता। हाल ही में दिल्ली में हुई हिंसा पिछले 18 साल में देश का तीसरा सबसे बड़ा सांप्रदायिक दंगा था। सन् 2004 से 2017 के बीच देश में 10399 दंगे हुए, जिनमें 1605 लोगों की जानें गईं। इससे पहले 2002 में हुए गुजरात दंगों में 2000 से ज्यादा लोगों की जानें गई थीं। सब जानते हैं कि दंगे होते नहीं हैं, बल्कि सत्ता और शक्ति के लालची लोगों द्वारा कराए जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार वायु-प्रदूषण से हर साल 70 लाख लोगों की मौत होती है। वायु-प्रदूषण दुनियाभर में, खासतौर पर भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों में तेजी से बढ़ रहा है। यही वजह है कि वायु-प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या भी उतनी ही तेजी से बढ़ रही है और यह महामारी का रूप लेता जा रहा है। इंसान की बे-लगाम महत्वाकांक्षा ने, उपभोग की कभी न मिटने वाली भूख ने केवल वायु ही नहीं, बल्कि प्रकृति के हर अवयव को बुरी तरह प्रदूषित कर दिया है। विकास के लालच में हम विनाश को आमंत्रित करते जा रहे हैं। मार्च 2018 में संसद में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह का कहना था कि 2014-15 और 2018-19 के बीच कीटनाशकों के कारण अकेले महाराष्ट्र में ही 272 किसानों की मौत हुई। इन्हीं कीटनाशकों की वजह से हमारी मिट्टी, पानी और हवा सब जहरीले हो रहे हैं, हमारी फसलों और पेड़-पौधों में जहर भर रहा है, किसानों और उनके मवेशियों के मरने और बीमार होने की घटनाएं सामने आ रही हैं और देश की जनता जहरयुक्त अनाज, फल, सब्जियां खाने को मजबूर है। यह सब हो रहा है, ज्यादा-से-ज्यादा पैदावार करके ज्यादा-से-ज्यादा पैसा कमाने की इंसानी हवस के चलते। कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश में लगाए गए लॉकडाउन से भले ही देश

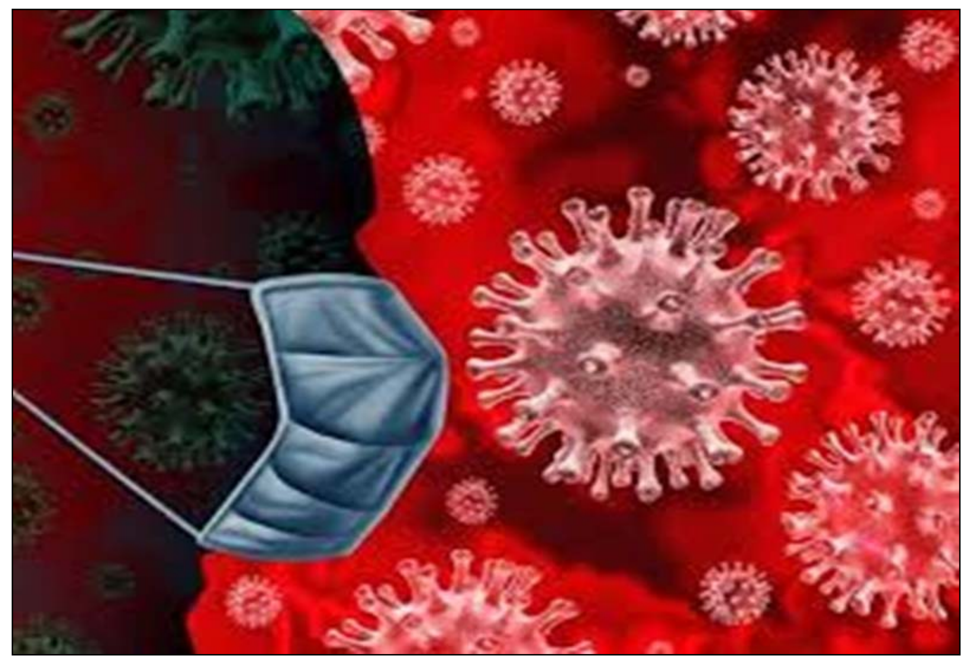

की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा हो, लेकिन पूरा देश प्रदूषण मुक्त हो रहा है। नदियां साफ हो रही हैं। हिमालय जालंधर से दिख रहा है। गंगा का पानी पीने लायक हो गया है। मतलब यह है कि लॉकडाउन से पूरा देश ही नहीं अपितु पूरा विश्व साफ हवा में सांस ले रहा है। इसकी पुष्टि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी की है। पिछले एक दशक में ही भारत में लगभग 14 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए हैं। सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि देश में उतने लोग सीमा पर या आतंकी हमले में नहीं मरते जितने सड़कों पर गड्ढों की वजह से मर जाते हैं। दुनियाभर में हर साल 70 लाख लोग और भारत में हर दिन करीब 2739 लोग तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों के कारण कैंसर व अन्य बीमारियों से दम तोड़ देते हैं। श्विश्व स्वास्थ्य संगठनश् के मुताबिक दुनियाभर में हर साल 30 लाख लोग शराब पीने की वजह से मर जाते हैं, लेकिन कोई भी सरकार शराब, सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू तथा गुटखे पर प्रतिबंध नहीं लगाती। लगाती भी है, तो केवल दिखावे के लिए। क्यों? क्योंकि इन चीजों से उन्हें सर्वाधिक राजस्व प्राप्त होता है, इन्हीं चीजों से नेताओं और अफसरों की कमाई होती है। यदि जिम्मेदार लोग थोड़ी सी सावधानी और ठंडे दिमाग से अपनी जिम्मेदारी निभाते तो कोरोना वायरस का इतना हल्ला भी नहीं होता और अर्थव्यवस्था की हालत भी इतनी बुरी नहीं होती। वास्तव में कोरोना हमें यही संदेश देने के लिए आया है कि जितनी आवश्यकता हो, उतना ही उपभोग करो और फिजूल की विस्तारवादी सोच को त्याग दो। लालच छोड़ दो और जियो और जीने दोश् वाली सोच को अपने जीवन में उतार लो। कोरोना आज नहीं तो कल चला ही जाएगा, परंतु यदि हमने इस कठिनाई भरे समय से भी सीख नहीं ली तो प्रकृति हमें आगे इससे भी भयंकर महामारियां देने को तैयार रहेगी। कोरोना और लॉकडाउन प्रकृति की ओर से भविष्य में आने वाली परेशानियों का इशारा मात्र हैं और प्रकृति कह रही है कि मुझे बेवजह परेशान मत करो, क्योंकि मेरे कल्याण में ही विश्वभर के इंसानों का भला छुपा है, इसी में मानव जाति और आने वाली पीढ़ियों की भलाई है। खतरनाक कोरोना नहीं बल्कि हमारा जरूरत से ज्यादा लालच है।

नागरिक आजादी पर आंच आते ही याद आ जाते हैं गांधी

भारत को गाहे-बगाहे गांधीजी याद आ ही जाते हैं। लम्बे समय तक देश याद न करें, तो कोई न कोई उठकर स्मरण करा ही देता है कि, हां मेरे पास गांधी नाम का एक औजार है जिससे मैं खराब मशीन को ठीक करूंगाश्य या कि श्मेरे पास बापू का दिया एक अस्त्र है जिसका इस्तेमाल कर मैं अन्याय के खिलाफ लडूंगा और नहीं तो श्व्यवस्था के विरूद्ध इसके बल पर खड़ा रहूंगा। आजादी की प्राप्ति के दौरान जीवित रही और उसके बाद आई पीढ़ी ने 1975 में गांधी नामक इस शस्त्र का दूसरी बार इस्तेमाल होते देखा था, जब जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई छेड़ी थी, जिसकी परिणति कांग्रेस की सरकार के विसर्जन के साथ हुआ था। गांधी नाम फिर सामने आया था,जब इस दशक की शुरुआत में लोकपाल विधेयक के लिये अण्णा हजारे के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन छेड़ दिया गया था। यह उस पीढ़ी के लिये गांधी-भावना को अपने भीतर और आसपास महसूस करने का पहला मौका था जिन्होंने न गांधी को देखा था, न ही लोकनायक जेपी बाबू को। शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता और सत्ता के प्रतिनिधियों को जब भी चुनौती दी जाती है, तो वह गांधी के दम पर ही। चाहे आपातकाल के पश्चात इमर्जेंसी के चार दलाल-संजय, जगमोहन, विद्या और बंसीलालश् में से एक विद्याचरण शुक्ल के खिलाफ जब संन्यासी पवन दीवान ने चुनाव लड़ा था, तब नारा लगता था- पवन नहीं यह आंधी है, छत्तीसगढ़ का गांधी है। कोरोना के कारण बंद हो गये नये नागरिकता कानून के खिलाफ होने वाले देशव्यापी आंदोलनों में भी अदृश्य उपस्थिति गांधी की ही थी। गांधीजी अब फिर से अवतरित हुए हैं प्रशांत भूषण के मामले में। विख्यात वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लेकर एक ट्वीट किया जिसमें एक तस्वीर और टिप्पणी थी। इस फोटो में सीजे नागपुर में भारतीय जनता पार्टी के एक नेता की महंगी हर्ले डेविडसन मोटर साइकल पर बिना हेलमेट लगाये बैठे दिख रहे हैं। इसे सर्वोच्च न्यायालय ने अवमानना मानते हुए दो बार तारीखों को ढकेलते हुए अंततः सोमवार, 31 अगस्त को प्रशांत पर प्रतीकस्वरूप एक रुपये का जुर्माना लगा दिया। इस मामले की भी सुनवाई के दौरान बापू बारंबार याद किये गये। गांधी पर चले मुकदमों को याद किया गया जिनके दौरान उन्होंने (गांधी) जमानत लेने या जुर्माना भरने से इंकार करते हुए किसी भी तरह की सजा के लिये खुद को प्रस्तुत किया था।

सोशल मीडिया पर उनकी तुलना गांधीजी से की जाने लगी थी। वैसे उन्होंने इसे असंगत बताया था। सच भी है कि जिस बड़े फलक और अधिक विपरीत परिस्थितियों में गांधी पर वह मुकदमा चला था, उसके मुकाबले प्रशांत की लड़ाई का फलक काफी छोटा है (कम महत्वपूर्ण कतई नहीं), परन्तु उसका एक सिरा तो निश्चित ही नागरिक चेतना की उस गांधीवादी धारणा से जाकर जुड़ता है, जिसमें अभिव्यक्ति की आजादी एक बेहद अहम तत्व है। चम्पारण में उन पर जो मुकदमा चला, वह काफी प्रसिद्ध है। वे किसान आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये 15 अप्रैल, 1917 को मोतिहारी और बेतिया पहुंचे थे। अगले दिन चम्पारण जाते हुए उन्हें रास्ते में मजिस्ट्रेट का सम्मन मिला। चम्पारण न जाने की हिदायत के साथ उन्हें जिले में प्रवेश करने की ही मनाही की गई और कहा गया कि वे अगली ट्रेन से लौट जायें। 18 अप्रैल को वे कोर्ट में हाजिर हुए। उन पर 100 रुपये जुर्माना भरने को कहा गया, जिससे उन्होंने इंकार कर दिया था। नैतिक शक्ति के आगे ब्रिटिश साम्राज्य ने घुटने टेक दिये। वे छोड़ दिये गये थे। प्रशांत भूषण के मामले का संबंध अभिव्यक्ति की आजादी से है। ऐसा ही मामला गांधीजी पर भी चला था। उनके द्वारा लिखे गये तीन लेखों को लेकर उन्हें मुंबई की कोर्ट में खड़ा होना पड़ा था।11 मार्च, 1922 में चले मुकदमे में उन पर आरोप लगाया गया किया कि उन्होंने अपने अखबार श्यंग इण्डियाश् में तीन लेख लिखकर देश में दंगा भड़काया। चौरी-चौरा कांड के अलावा मुंबई और मद्रास में हुई हिंसा का भी उल्लेख हुआ और उनका संबंध गांधी द्वारा छेड़े गये स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा गया। गांधीजी ने अपने सारे अपराधों को स्वीकार करते हुए कहा था कि श्देश की आजादी का आंदोलन उनका जुनून और कर्तव्य दोनों ही है। अगर उन्हें छोड़ा गया तो वे फिर उसी काम में लगेंगे। अंततः यहां भी गांधीजी के समक्ष जज नतमस्तक हो गये।

वैसे तो गांधीजी हमें अनेक मोर्चों पर खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी स्पष्ट उपस्थिति जीवन के जिन आयामों में दिखलाई पड़ती है, उनमें कुछ को कुछ इस प्रकार वर्गीकृत से किया जा सकता है। पहला तो उनका बेहद बड़ा रूप है और जिससे दुनिया के दो बड़े गुलाम देशों ने सीधा साक्षात्कार किया था, वह है विदेशी साम्राज्यवाद से लोहा लेकर उन देशों में आजादी की लड़ाई छेड़ना- दक्षिण अफ्रीका और भारत। उस देश में उन्होंने स्वतंत्रता की नींव रखी और भारत में आजादी के संघर्ष को निर्णायक बिंदु तक ले गये। दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने जो स्वयं को गढ़ा था, उसका इस्तेमाल उन्होंने स्वदेश लौटकर किया। हालांकि खुद को गढ़ते रहने और स्वयं के उत्तरोत्तर परिमार्जन की प्रक्रिया शायद तभी से उन्होंने प्रारम्भ कर दी थी जब से उन्होंने होश सम्भालाय और जब वे दुनिया से निकले तब तक जारी रही। स्वतंत्रता हर व्यक्ति का मूलभूत अधिकार है, यह तो सारे मानते हैं परन्तु उसके लिये लगातार लड़ते रहने का जज्बा जिन गिने-चुने लोगों में था, उनमें वे प्रमुख थे। वह भी अहिंसा की राह पर चलकर। हमारे देश में अनेक प्रखर राष्ट्रभक्तों ने अपने-अपने तरीकों से स्वतंत्रता की लड़ाई छेड़ी थी और यहां लेखक का उद्देश्य किसी को छोटा या बड़ा बताना भी नहीं है। फिर भी यह सच है कि जो स्वीकार्यता गांधी मार्ग को मिली और जिसका सीधा परिणाम आजादी प्राप्ति के रूप में हुआ, वह बतलाता है कि देश ने अपना नेतृत्व करने के लिये गांधी को ही चुना था।

देशवासियों के मनों में अनेक अन्य स्वतंत्रता सैनिकों व महापुरुषों के प्रति भी आदर है, लेकिन जब बात अनुसरण की आती है तो बापू उन्हें देश की तासीर और शैली के सबसे अनुकूल नजर आते हैं। यही कारण है कि वे स्वतंत्रता सेनानियों के सिरमौर बनते हैं। इसके बाद उनका बड़ा सरोकार लोगों की नागरिक आजादी, अधिकार, समानता और बंधुत्व को लेकर रहा है। उनके सारे राजनैतिक दर्शन और मान्यताओं के उद्देश्य नागरिक के रूप में जनता के इन्हीं मूलभूत तत्वों के जतन को लेकर हैं। उन्होंने अगर सरकार विहीन और सेना-पुलिस बल के बिना राज्य की कल्पना की, तो उसका लक्ष्य पूर्णतः स्वतंत्र इकाई के रूप में व्यक्ति का होना है। हर तरह के बंधनों से पूरा मुक्त मानव जो अपनी चेतना और विवेक से संचालित होता हो। अछूतोद्धार से लेकर ट्रस्टीशिप की परिकल्पना और स्वदेशी-ग्रामोद्योग की भावना से लेकर लैंगिक समानता तक के केन्द्र में गांधी का समानता का सिद्धांत काम करता है। कुल जमा, वे एक ऐसा सशक्त नागरिक बनाना चाहते थे जो स्वतंत्रता, मूलभूत हकों, बराबरी और बंधुत्व की भावना से लैस हो। इस भारी-भरकम नागरिक अवधारणाओं के बीच गांधीजी का वह रूप भी हमें देखने को मिलता है, जिसमें उनकी चिंताओं के केन्द्र में मनुष्य की भौतिक जरूरतें हैं। गरीबी, भुखमरी, बीमारी, बेघरी, निरक्षरता से निजात दिलाने के उपक्रमों द्वारा ही उन्होंने अपना अर्थशास्त्र रचा था। इसके तहत चम्पारण से लेकर छत्तीसगढ़ के कण्डेल के किसान सत्याग्रह, मजदूर हड़तालें, सर्वोदय का डॉक्टरीन, स्वदेशी आंदोलन, ग्रामसुधार, आत्मनिर्भरता, चरखा, विदेशी वस्तुओं की होली-सारा कुछ नागरिकों की आर्थिक आजादी के ही हिस्से रहे हैं। गांधी दर्शन का सूक्ष्मतम परन्तु सर्वाधिक बलशाली आयाम है उनकी नैतिकता, जो विश्व के सभी दर्शनों और विचारों के श्रेष्ठतम तत्वों को लेकर गढ़ा गया है। ऊपर दर्शाये गये उनके सारे ही क्षितिजों तक पहुंचने के लिये गांधीजी के बनाये इसी नैतिकता के पुल पर से होकर गुजरना पड़ता है। सत्य, अहिंसा, सादगी, संयम, प्रेम, सौहार्द्र, भाईचारा व मानवीयता- सारा कुछ उनकी नैतिकता की देन है जो वे अपने जीवन में इस्तेमाल तो करते ही रहे, आने वाली पीढ़ियों को भी दे गये हैं ताकि आजादी पर कोई भी आंच आते ही भारतीय ही नहीं, दुनिया के किसी भी देश के नागरिक इस रूहानी शक्ति का उपयोग कर उसे बचा सकते हैं या वापस पा सकते हैं।

सार समाचार ....

भारतीय टेनिस फैंस के लिए खुशबरी, सुमित नागल की शानदार जीत

न्यूयार्क **एजेंसी।**

सुमित नागल यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में अमेरिका के ब्रैडली क्लान को हराकर पिछले 7 सालों में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में सिंगल्स मैच जीतने वाले पहले भारतीय बन गए. दूसरे दौर में उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर-3 डोमिनिक थीम से होगा. फ्लशिंग मीडोज पर पिछले साल रोजर फेडरर के खिलाफ एक सेट जीतने वाले नागल ने मंगलवार की रात को स्थानीय खिलाड़ी क्लान को दो घंटे 12 मिनट तक चले मैच में 6-1, 6-3, 3-6, 6-1 से हराया. क्लान वर्ल्ड रैंकिंग में नागल से केवल एक स्थान आगे 126वें नंबर पर हैं. उन्होंने कहा, 'यह जानते हुए कि इस मैच में आप जीत के दावेदार हो, कोर्ट में जाना आसान नहीं था. मैं निश्चित तौर पर नर्वस था और ग्रैंडस्लैम में अपनी पहली जीत के लिए खेल रहा था लेकिन मैंने वही किया जो मुझे करना चाहिए था और आत्मसंयम बनाये रखा जनवरी 2017 में संन्यास लेने वाले सोमदेव 2013 में आस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे थे. वो विंबलडन 2011 में भी दूसरे दौर में खेले थे लेकिन कभी इससे आगे नहीं बढ़ पाए थे. सोमदेव के बाद भारतीय टेनिस में युकी भांबरी, रामकुमार रामनाथन और प्रजनेश गुणेश्वरन जैसे खिलाड़ी आये लेकिन इनमें से कोई भी मुख्य ड्रा में जीत दर्ज नहीं कर पाया. रामकुमार तो कई प्रयासों के बावजूद मुख्य ड्रा में जगह नहीं बना पाये। साकेत मयनेनी ने 2016 में यूएस ओपन के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी लेकिन चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली से हार गए थे. भांबरी चोटों से भी जूझते रहे. वह 2015 से 2018 के बीच सभी ग्रैंडस्लैम में खेले लेकिन कभी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए. नागल ने कहा कि भारतीय टेनिस को बेहतर करना चाहिए था और इसके लिये व्यवस्था को भी जिम्मेदार ठहराया जिससे खास मदद नहीं मिलती. इस 23 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'हां, मैं इस जीत से खुश हूं लेकिन अगर दूसरा पहलू देखा जाए तो हम इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे. हमारे कई खिलाड़ी इस खेल में है, हमारे पास प्रतिभा है लेकिन कोई व्यवस्था नहीं है जिससे मुझे दुख होता है.' नागल का अगला मुकाबला ऑस्ट्रिया के टॉप खिलाड़ी और यहां दूसरी वरीयता प्राप्त थीम से होगा. उन्होंने अपने स्पेनिश प्रतिद्वंद्वी जॉम मुनार के तीसरा सेट शुरू होने से पहले मैच से हट जाने के कारण अगले दौर में जगह बनाई. मुनार के घुटने में दूसरे सेट के दौरान चोट लग गई थी और जब वह मैच से हटे तब थीम 7-6(6) 6-3 से आगे चल रहे थे. कभी हार नहीं मानने वाले नागल ने कहा कि वह वर्ल्ड के नंबर 3 खिलाड़ी को कड़ी चुनौती पेश करेंगे. उन्होंने कहा, 'मैं तैयार हूं और उनके खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हूं. मैं इस मैच का भी लुत्फ उठाऊंगा. इससे मुझे ये आकलन करने का मौका मिलेगा कि टेनिस के स्तर के लिहाज से मैं अभी किसी स्थिति में हूं।

आईपीएल के दौरान 20 हजार से ज्यादा कोरोना टेस्ट

भोपाल (जी.एन.एस) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 19 सितंबर से शुरू हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान 20000 से अधिक कोविड-19 टेस्ट के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए का बजट रखा है। भारत में खिलाड़ियों की जांच का खर्च आठ फ्रेंचाइजी टीमों ने उठाया था, जबकि 20 अगस्त से टीमों के यूएई पहुंचने के बाद बीसीसीआई आरटी-पीसीआर जांच करवा रहा है। आईपीएल के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, हमने टेस्ट करने के लिए यूएई की कंपनी वीपीएस हेल्थकेयर के साथ करार किया है। मैं टेस्ट की संख्या के बारे में साफ तौर पर नहीं कह सकता, लेकिन इस दौरान 20,000 से ज्यादा टेस्ट होंगे। हर टेस्ट के लिए बीसीसीआई को 200 दिरहम (लगभग 3,971 रुपए) खर्च करने होंगे। ऐसे में बीसीसीआई कोविड-19 जांच के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की राशि खर्च करेगा। कंपनी के लगभग 75 स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कर्मचारी, आईपीएल परीक्षण प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं। बीसीसीआई खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा में जरा भी कोताही नहीं बरताना चाहता है, इसलिए स्वास्थ्य कर्मियों को एक अलग होटल में रखा गया है।

आईपीएल में कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के लिए खिलाड़ियों के साथ फैमिली मेंबर्स को भी पहनना है ब्लूटूथ बैज

तकनीक के सहारे कोरोना से जंग....

न्यूयॉर्क | एजेंसी।

आईपीएल में कोरोना से कोई खलल न पड़े, इसलिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) हर मुमकिन कोशिश कर रहा है। इसी सिलसिले में बोर्ड ने लीग में शामिल खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स को कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के लिए ब्लूटूथ बैज दिए हैं। खिलाड़ियों के साथ यूएई आए फैमिली मेंबर्स को भी यह बैज पहनना जरूरी है। वहीं, एक हेल्थ ऐप भी तैयार किया गया है, जिसमें सभी को रोज बॉडी टेम्प्रेचर की जानकारी देनी है।

एक फ्रेंचाइजी ऑफिशियल ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हर टीम को व्हिसल के आकार का एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक बैज दिया गया है। खिलाड़ियों को हर वक्त यह ब्लूटूथ बैज पहनकर रखना है। इसका डेटा सीधे बीसीसीआई के पास जाता है। इससे किसी के भी कोरोना संक्रमित होने की सूरत में उसकी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में मदद मिलेगी और संक्रमण को फैलने से रोका जा सकेगा।

सिर्फ सोते वक्त ही इस बैज को खोला जा सकता है

ऑफिशियल ने आगे बताया कि होटल के कमरे के अंदर जाने के बाद इस बैज को खोला जा सकेगा। लेकिन कमरे से बाहर रहने की सूरत में हर किसी के लिए यह बैज पहनना जरूरी है। हालांकि, मैच के दौरान खिलाड़ी इसे उतार सकेंगे।

हेल्थ ऐप से सेहत पर नजर रखी जा रही

एक और फ्रेंचाइजी ऑफिशियल ने न्यूज एजेंसी को बताया कि खिलाड़ियों, ऑफिशियल्स और फैमिली मेंबर्स की हेल्थ पर नजर रखने के लिए बीसीसीआई ने एक हेल्थ ऐप तैयार किया है। हर व्यक्ति को रोज इस हेल्थ ऐप में अपनी सेहत से जुड़ी जानकारी देनी है। खासतौर पर अपना बॉडी टेम्प्रेचर बताना है।

कोरोना खतरे के लिए पहले ही अलर्ट कर देता है ऐप

ऑफिशियल ने कहा कि हेल्थ ऐप अच्छा है। यह ऐप आपको संक्रमण के खतरे के बारे में पहले से ही अलर्ट करता है। इसकी मदद से आप खुद अपनी सेहत पर नजर रख सकते हैं। इसके लिए आपको ऐप में लॉग-इन करके अपने शरीर का तापमान डालना है और बाकी चीजें यह खुद ही बता देता है।

बेटी के जन्मदिन पर 6 बार की चैम्पियन सेरेना की टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 102वीं जीत, बड़ी बहन वीनस पहली बार फर्स्ट राउंड में हारकर बाहर

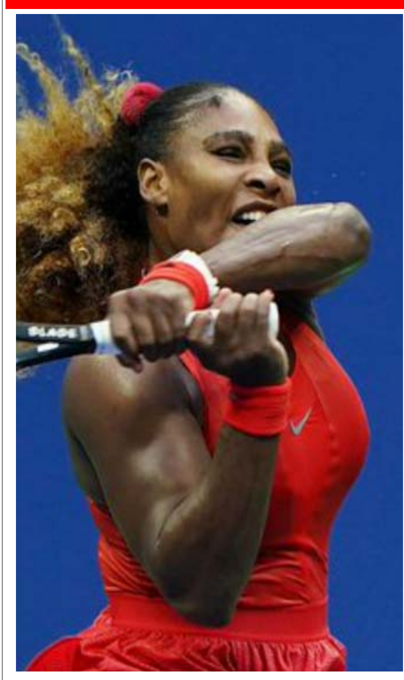

दुबई **एजेंसी।** 6 बार की यूएस ओपन चैम्पियन सेरेना विलियम्स यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंच गई। उन्होंने बेटी ओलिंपिया के तीसरे जन्मदिन के मौके पर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 102वीं जीत दर्ज की। वे अब मेंस और वुमेंस दोनों कैटेगरी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली खिलाड़ी हो गईं। उन्होंने अमेरिका की क्रिस एवर्ट का ही रिकॉर्ड तोड़ा। उधर, बड़ी वहन वीनस विलियम्स पहली बार यूएस ओपन के पहले राउंड से हारकर बाहर हो गईं। ये उनका 22वां यूएस ओपन टूर्नामेंट था। इधर, 37 साल की बेल्जियम की किम क्लाइस्टर्स यूएस ओपन के पहले राउंड में ही हारकर बाहर हो गईं। उन्हें एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने 3-6, 7-5 और 6-1 से हराया। यह उनका 8 साल बाद पहला ग्रैंड स्लैम मैच था। आखिरी बार वे 2012 में यूएस ओपन खेली थीं। तब वे दूसरे राउंड में बाहर हो गईं थीं। क्लाइस्टर्स तीन बार 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन जीत चुकी हैं। 39 साल की सेरेना ने अमेरिका की क्रिस्टी एन को सीधे सेटों में 7-5, 6-3 से हराया। लेकिन वीनस को कैरोलीना मुचोवा ने 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। पिछले पांच ग्रैंड स्लैम में यह चौथा मौका था, जब वीनस ओपनिंग मैच हारकर ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। दूसरे राउंड में पहुंचने के बाद सेरेना ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ जब हौसला बढ़ाने के लिए दर्शक नहीं थे। लेकिन फिर भी मैंने खुद को मोटिवेट रखा। दोबारा टेनिस शुरू होने पर सेरेना की सीधे सेटों में यह पहली जीत है। इससे वे बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि काफी सालों बाद में मैंने सीधे सेटों में जीत दर्ज की। मुझे पता था कि अगर मैं खुद पर यकीन रखूंगी, तो ऐसे करने में सफल रहूंगी। वे मेजर टूर्नामेंट के पहले राउंड में 74 मैच जीती हैं, जबकि एक ही में उन्हें हार मिली है। सेरेना के पास 24वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका है। अगर वे ऐसा करने में सफल होती हैं, तो मार्गरेट कोर्ट के ऑल टाइम ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड जीतने की बराबरी कर लेंगी। इधर, ब्रिटेन के एंडी मरे भी यूएस ओपन के अगले दौर में पहुंच गए। उन्होंने 4 घंटे चले एक कड़े मुकाबले में योशिहितो निशिओका को 4-6, 4-6, 7-6(5), 7-6(4) और 6-4 से हराया। पहले दो सेट हारने के बाद इस ब्रिटिश खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और अगले दो सेट टाइब्रेकर में जीते। इसके बाद आखिरी सेट जीतते हुए मैच अपने नाम कर लिया। वे 2019 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद वे पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उतरे हैं। वहीं, पूर्व फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैम्पियन स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा भी दूसरे दौर में पहुंच गई। उन्होंने जापान की नाओ हिबिनो को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। मुगुरुजा इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी पहुंचीं थी, लेकिन खिताब नहीं जीत सकीं। उन्हें अमेरिका की सोफिया केनिन ने फाइनल में हराया था।

सौरभ गांगुली बोले भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान होना सबसे बड़ा सम्मान

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय कृषि सेवा उद्योग में तेजी से उभरता हुआ नाम जेयू एग्री साइंसेज ने एक लाइव इवेंट का आयोजन किया। कार्यक्रम में पूर्व भारतीय कप्तान और वर्तमान बीसीसीआई अध्यक्ष, सौरभ गांगुली शामिल थे। दो घंटे का शो शाम पांच बजे शुरू हुआ। इसकी मेजबानी विश्व प्रसिद्ध भारतीय खेल पत्रकार, शिक्षाविद और लेखक बोरिया मजूमदार ने की। राज अग्रवाल ने जेयू एग्री साइंसेज की ओर से सौरभ गांगुली का स्वागत किया। फिर उन्होंने कंपनी का संक्षिप्त परिचय दिया। जेयू एग्री साइंसेज का बहुत समृद्ध इतिहास है। यह जीव विज्ञान में बहुत अच्छी क्षमताओं के साथ एक सदी से भी पुराना रिश्ता है। श्रीअग्रवाल ने फिर सौरभ गांगुली को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। सौरभ ने जेयू एग्री साइंसेज के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए उस सफर के बारे में बताना शुरू किया, जो तीन साल से अधिक समय पहले शुरू हुआ था। उन्होंने कृषि समुदाय के लिए जैविक और सुरक्षित उत्पादों को सुनिश्चित करने के लिए जेयू एग्री साइंसेज की सराहना की। उन्होंने इस कठिन समय में सकारात्मकता लाने के लिए भी कंपनी की सराहना की। अपने क्रिकेट के दिनों की यादों को ताजा करते हुए सौरभ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस तरह उन्होंने आक्रामकता, सकारात्मक ऊर्जा और खिलाड़ियों को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए प्रेरणा देकर पूरी भारतीय क्रिकेट टीम के रवैये को बदल दिया था। ठीक उसी तरह, वह जेयू एग्री साइंसेज की संस्कृति में इन्हीं मूल्यों को पाते हैं। जब एक दर्शक ने उनसे क्रिकेट के लिए प्रेरणा लेने के बारे में पूछा तो सौरभ गांगुली ने 1983 के विश्व कप जीतने वाले भारत के शक्तिशाली प्रभाव और अपने पिता के प्रभाव का हवाला दिया। 2003 में लॉर्ड्स की बालकनी में अपनी जर्सी को उतारने के अपने यादगार पल को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि इंग्लैंड को उसके ही घर में हराने के बाद उन्होंने गर्वित महसूस किया था। उनके अनुसार, भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान होना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था, साथ ही उनके लिए सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका भी थी। बीसीसीआई अध्यक्ष की चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर सौरभ गांगुली ने भविष्य की तैयारी के दौरान वर्तमान में रहने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कोविड-19 चुनौती पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने आज की गंभीर कोविड-19 स्थिति और 2003 विश्व कप के लिए कठिन शुरुआत के बीच एक समानांतर स्थिति की ओर ध्यान खींचा। उनके अनुसार, विश्वास, आस्था और आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति होना बहुत जरूरी है। भारतीय क्रिकेट टीम ने 2003 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने के दौरान यही माना था। उन्होंने कठिनाइयों के बावजूद जीवन में हमेशा आगे बढ़ने के महत्त्व पर जोर देकर अपनी बात को समाप्त किया। प्रतिभा और इच्छाशक्ति उस जगह से ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती है, जहां से कोई भी खिलाड़ी आता है। उन्होंने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि प्रतिभा हमेशा आगे की राह खोजेगी।

पंजाब में मेरे परिवार के साथ जो हुआ, वह भयावह

नई दिल्ली , एजेंसी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने पंजाब में अपनी बुआ के परिवार पर हमले की जांच की मांग करते हुए मंगलवार को बताया कि उनके फूफा के बाद भाई की भी मौत हो गयी है। रैना व्यक्तिगत कारणों के चलते आईपीएल से बाहर होने के बाद पिछले हफ्ते स्वदेश लौट आये थे। रैना ने ट्विटर पर दिये बयान में हालांकि यह नहीं बताया कि उनका आईपीएल से लौटने का कारण यह हमला था। पठानकोट में उनकी बुआ के परिवार पर हमला लूट का मामला माना जा रहा है। रैना ने कहा, 'पंजाब में मेरे परिवार के साथ जो हुआ, वह भयावह है। मेरे फूफा की हत्या कर दी गयी, मेरी बुआ और दोनों भाईयों (बुआ के लड़कों) को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। दुर्भाग्य से मेरा भाई भी कई दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद चल बसा। मेरी बुआ की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली पर रखा गया है।' रैना के परिजनों पर पठानकोट जिले के थरियाल गांव में 19 और 20 अगस्त की दरम्यानी रात हमला किया गया था। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह को टैग करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज तक हमें पता नहीं कि उस रात क्या हुआ था और किसने ऐसा किया था। मैं पंजाब पुलिस से इस मामले पर गौर करने का आग्रह करता हूं। हम कम से कम यह जानने के हकदार तो हैं कि उनके साथ यह जघन्य कृत्य किसने किया। इन अपराधियों को और अपराध करने के लिए बख्शा नहीं जाना चाहिए।'

थॉमस ऐंड उबेर कप से पीवी सिंधु ने नाम वापस लिया

देश की इस शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी ने भारतीय बैडमिंटन संघ को इसकी जानकारी पहले ही दे दी है कि वह निजी कारणों से इस टूर्नमेंट में भाग नहीं ले पाएंगी।

दिल्ली | एजेंसी।

वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग में दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी पीवी सिंधु ने थॉमस ऐंड उबेर कप से निजी कारणों से अपना नाम वापस ले लिया है। यह टूर्नमेंट 3 से 11 अक्टूबर तक डेनमार्क में आयोजित होना है। पीवी सिंधु के पिता पीवी रमना ने इस बात की जानकारी दी। कोविड- 19 के चलते लंबे समय से ब्रेक पर चल रहीं सिंधु ने इस टूर्नमेंट से प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन में वापसी

का प्लान किया था। लेकिन फिलहाल उनकी वापसी आगे के लिए टल गई है। वर्तमान में सिंधु स्द्धु-गोपीचंद अकैडमी में अपने कोरियन कोच पार्क ताई-सैंग और नैशनल कोच पुलेला गोपीचंद की देखरेख में किदांबी श्रीकांत, बी. साइ प्रणीत और एन. सिक्की रेड्डी के साथ प्रैक्टिस कर रही हैं।

न्यूजीलैंड को 2019 क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचाने वाले कोच गैरी स्टेड का कॉन्ट्रैक्ट 3 साल के लिए बढ़ा

नई दिल्ली | एजेंसी।

न्यूजीलैंड को 2019 क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचाने वाले कोच गैरी स्टेड का कॉन्ट्रैक्ट 3 साल के लिए बढ़ा दिया गया है। अब वे 2023 में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भी टीम के कोच रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को उनका कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने के फैसले को मंजूरी दे दी। हेड को माइक हेसन की जगह 2018 में 2 साल के लिए टीम का कोच बनाया गया था। हेसन 6 साल तक कीवी टीम के कोच रहे थे। अब हेड की देखरेख में ही टीम 2021 में भारत और 2022 में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। उनकी कोचिंग में ही न्यूजीलैंड टीम लगातार दूसरी बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल और सुपर ओवर दोनों टाई होने पर बाउंड्री काउंट नियम की वजह से टीम का पहला खिताब जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। न्यूजीलैंड बोर्ड के इस फैसले के बाद स्टेड ने कहा कि मुझे इन दो सालों में खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और बोर्ड से पूरा समर्थन मिला है। उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे भी बरकरार रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि एक टीम के तौर पर हम मजबूत हो रहे हैं। भविष्य में हमें कई अहम सीरीज खेलनी है। इसे लेकर सभी खिलाड़ी बहुत पॉजिटिव हैं। मुझे उम्मीद है कि हम तीनों फॉर्मेट(वनडे, टी-20 और टेस्ट) में अच्छा करेंगे। न्यूजीलैंड टीम ने कोरोना के कारण 6 महीने से क्रिकेट नहीं खेला है। हालांकि, बोर्ड समर सीजन के लिए शेड्यूल तैयार कर रहा है। अगर सब ठीक रहा है, तो टीम 37 दिन का इंटरनेशनल क्रिकेट खेलेगी। इसमें वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी-20 की सीरीज शामिल है। विंडीज टीम नवंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर जाएगी। वहीं, न्यूजीलैंड टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 5 टी-20 की सीरीज खेलेगी। इसके अलावा बांग्लादेश के खिलाफ भी तीन टी-20 और इतने ही वनडे की सीरीज भी शेड्यूल है। चारों देशों ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड को सीरीज के लिए हामी भरी है। हालांकि, कोरोना के काबू रहने की स्थिति में ही यह सीरीज होगी।

अंतिम टी-20 मैच में इंग्लैंड को हराकर पाकिस्तान ने सीरीज की बराबर

मैनचेस्टर , एजेंसी। मोहम्मद हाफिज (86) और हैदर अली (54) की जबरदस्त अर्धशतकीय पारियों तथा वहाब रियाज (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने मंगलवार इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम रोमांचक टी-20 मुकाबले के अंतिम ओवर में पांच रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया तथा दूसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को मजबूत लक्ष्य का पीछा करते हुए पांच विकेट से हरा दिया था। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 32 रन के स्कोर पर ही दो विकेट खो दिए थे लेकिन उसके बाद बल्लेबाजी करने आये हैदर अली और मोहम्मद हाफिज ने पारी को आगे बढ़ाया और टीम ने 20 ओवर में चार विकेट पर 190 रन का मजबूत स्कोर बनाया। हाफिज ने जहां 52 गेंदों का सामने करते हुए चार चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन बनाये वही हैदर अली ने 33 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से महत्वपूर्ण 54 रन बनाये। हाफिज को उनकी जोरदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और टीम ने 26 रन के ही स्कोर पर दो विकेट गवा दिए। बेयरस्टो जहां खाता तक नहीं खोल पाए वही डीजे मलान भी केवल सात बना कर आउट हो गए। कप्तान इयोन मोर्गन इस मैच में कुछ ख़ास नहीं कर सके और दस रन के निजी स्कोर पर वह रन आउट हो गए।

रवीना टंडन ने ड्रग्स मामले पर कंगना रनौत की करी बोलती बंद

अपने दमदार अभिनय से बॉलीवुड जगत में अपनी खास पहचान कायम करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत फिल्मों के अलावा अपन बेबाक बयानों और अपने इंटरनेट पोस्ट्स के जरिए भी चर्चा में बनी रहती हैं। दरअसल कंगना अक्सर अपनी बात को सभी के आगे बोल देती हैं। तो ऐसे में अब कंगना को आए दिन सोशल मीडिया की जनता का शिकार होना पड़ जाता हैं,हालांकि बहुत बार ऐसा भी हुआ है जब सोशल मीडिया का एक बड़ा तबका उनका पूरा सहयोग करता है। वैसे सुशांत सुसाइड केस के बाद से कंगना रनौत सोशल मीडिया पर और ज्यादा एक्टिव हो गई हैं और आए दिन अपने बयानों से बॉलीवुड के खिलाफ कई गंभीर दावे करती रहती हैं। हाल ही में भी कुछ ऐसा ही हुआ है जब कंगना ने एक बार फिर से बॉलीवुड को लेकर एक बड़ा दावा किया है,जिसके बाद फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा और रवीना टंडन ने अभिनेत्री को करारा जवाब दिया है।

अपने हालिया इंटरव्यू में कंगना ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में तकरीबन 99 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जो ड्रग्स का सेवन करते हैं। अब कंगना के इसी बयान पर वकील महेश जेठमलानी ने इस मुद्दे पर सेलेब्स की चुप्पी को लेकर सवाल उठाया है,जिसके बाद अभिनेत्री रवीना टंडन और राम गोपाल वर्मा अपनी-अपनी बात रखी है।

महेश जेठमलानी ने अपने ट्वीट में लिखा कि एक बॉलीवुड अभिनेत्री ने एक टीवी चौनल पर आरोप लगाया है कि बॉलीवुड में करीब 99 प्रतिशत लोग नाककोटिक्स ड्रग्स का सेवन करते हैं और खास बात इंडस्ट्री के किसी व्यक्ति ने उसका विरोध नहीं किया। वैसे इस बहरी चुप्पी से लोगों के पास क्या मैसेज जाएगा? बता दें कि महेश ने अपने ट्वीट से जिस अभिनेत्री को निशाने पर लिया वो कंगना रनौत है। वहीं अभिनेत्री रवीना टंडन ने महेश जेठमलानी के इस ट्वीट को रिट्वीट करके लिखा है,सबको मालूम है है कि 99 प्रतिशत जज,नेता,बाबू,अधिकारी एंव पुलिस भष्ट होते हैं और यह बयान सभी के लिए जेनरिक डिस्क्रिप्शन नहीं है। लोग समझदार हैं,उनमें अच्छे या बुरे का अंतर होता है। क्योंकि कुछ खराब सेब कोई पूरी टोकरी को खराब नहीं कर देते हैं। ठीक वैसे ही हमारी इंडस्ट्री में भी अच्छे और बुरे दोनों ही लोग हैं। वहीं महेश के इस ट्वीट पर रवीन के अलावा राम गोपाल वर्मा ने भी रिट्वीट करके कहा हालांकि मैं भी इस बिरादरी से संबंध रखता हूं,मैं उतना ही शॉक्ड हूं और उनकी चुप्पी भी बलात्कारी,हत्यारे,माफिया आदि कहे जाने पर है।

गौरतलब है अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर छाई हुई हैं। साथ ही कोई मौका नहीं छोड़ते हुए वह एक के बाद एक अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय रखती हुई अक्सर दिख जाती हैं।

शिबानी दांडेकर ने तोड़ी चुप्पी, लिखा-मैं रिया चक्रवर्ती को 16 साल की उम्र से जानती हूं...

फरहान अख्तर की गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने रिया चक्रवर्ती के सपोर्ट में लंबा पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में लिखा है कि वह रिया को 16 साल की उम्र से जानती हैं। उन्हें बस सुशांत को प्यार करने की सजा मिल रही है। बता दें कि सुशांत की मौत के बाद रिया शिबानी के साथ दिखाई दी थीं। शिबानी ने लिखा, मैं रिया चक्रवर्ती को तबसे जानती हूं, जब वह 16 साल की थीं, वाइब्रेंट, मजबूत, जिंदादिल और ब्राइट स्पार्क की तरह...जीवन से भरी हुई। बीते कुछ महीनों में मैं उनकी और उनके परिवार की पर्सनैलिटी का इन सबसे उल्टा साइड देख रही हूं (ऐसे दयालु और गर्मजोशी से मिलने वाले जो आपने नहीं देखे होंगे) ऐसा कष्ट झेला है जो कोई सोच भी नहीं सकता। हमने देखा है कि मीडिया किस तरह से गिद्धों जैसा व्यवहार कर रहा है जैसे किसी डायन के शिकार पर हों। एक बेगुनाह परिवार पर इल्जाम लगा रहे हैं और टूट जाने की हद तक टॉर्चर कर रहे हैं। शिबानी ने आगे लिखा है, उसके आधारभूत मानव अधिकार भी छीन लिए गए क्योंकि मीडिया तो जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका में है। हमने पत्रकारिता की मौत और मानवता का भयावह रूप देख देखा है! उसका गुनाह क्या था? उसने एक लड़के को प्यार किया, उसके खराब दिनों में उसकी देखभाल की, उसके साथ रहने के लिए अपनी जिंदगी रोक दी। और जब उसने फांसी लगा ली तो हम क्या बन गए? मैंने खुद देखा है कि इन सबसे उसकी मां की सेहत कैसे खराब हो गई, 20 साल तक देश की सेवा करने वाले उसके पिता पर इसका कैसे असर पड़ा है, कितनी जल्दी उसके भाई को बड़ा होना पड़ा और कितना मजबूत होना पड़ रहा है। मेरी रिया तुम ताकतवर हो और बहुत झुकने वाली हो। तुम जैसी इंसान हो और जैसे जानते हुए कि सच तुम्हारे साइड है, तुम लड़ रही हो, मेरे मन में तुम्हारे लिए बहुत प्यार और आदर है। मुझे बहुत दुख है कि तुम्हें इन सबसे गुजरना पड़ा। मुझे दुख है कि हम बेहतर नहीं थे। मुझे दुख है कि बहुत सारे लोगों ने तुमको निराश किया, शक किया, जब तुम्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी तो तुम्हारे साथ नहीं थे। मुझे दुख है कि तुमने जीवन में जो सबसे अच्छा काम किया (सुशांत की देखभाल करना) उसने तुम्हें जीवन का सबसे खराब अनुभव दिया। मैं तुम्हारे साथ हमेशा हूं।

आलिया भट्ट की सड़क 2 और अजय देवगन की फिल्म्स समेत इन पांच फिल्मों की आईएमडीबी पर रही सबसे ज्यादा खराब रेटिंग

फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म और खेमेबाजी का मुद्दा एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से एक बार फिर से गरमा गया है। इसका असर अब नेपोकिड्स की फिल्मों में साफ देखा जा सकता है। इस मामले में सबसे पहले बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर की फिल्म गुंजन सक्सेना ओटीटी पर रिलीज हुई थी जिसे बेहद खराब रेटिंग्स मिली थी। उसके बाद एक्टेस आलिया भट्ट की सड़क 2 रिलीज हुई जिसका हाल भी ऐसा ही हुआ। सड़क 2 संजय दत्त की हिट फिल्म सड़क का सीक्यूल है। सड़क 2 में आलिया भट्ट के अलावा संजय दत्त और आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका में हैं और डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर यह फिल्म 28 अगस्त को रिलीज हुई थी।

1. सड़क 2-1.0 अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही फिल्ममेकर महेश भट्ट और उनका परिवार पर लोगों का लगातार आक्रोश है। इतना ही नहीं आलिया भट्ट ने भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में कमेंट बॉक्स बंद किया हुआ है। आलिया भट्ट की फिल्म सड़क 2 का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज हुआ जो की सबसे ज्यादा नापंसद करने के मामले में दूसरे स्थ्थान पर आया। इसके अलावा आईएमडीबी रेटेड के मामले में भी सड़क 2 का प्रदर्शन खराब रहा।

2. देशद्रोही-1.4 कमाल आर खान की फिल्म देशद्रोही का पर्दे पर फ्लॉप होने के कई कारण हैं। इस फिल्म की डायरेक्शन और एक्टिंग दोनों ने दर्शकों को खुश नहीं कर पाई। केआरके ने इस फिल्म को साल 2008 में लिखी और बनाई थी। इस फिल्म को 1.4 रेटिंग आईएमडीबी के साथ नापसंद किया था।

3. हिम्मतवाला-1.7 अजय देवगन और तमन्ना स्टारर फिल्म हिम्मतवाला बुरी तरह से बड़े पर्दे पर फ्लॉप रही थी। सिंघम के बाद फैन्स को उम्मीद थी कि साजिद खान के निर्देशन में बनी एक्शन-कॉमेडी फिल्म हिम्मतवाला सुपरहिट होगी। लेकिन पटकथ से संवादों तक इस फिल्म ने सबको निराश किया।

4. हमशकल्स-1.7 बॉलीवुड फिल्ममेकर साजिद खान ने कॉमेडी जॉनर में अपनी पहचान बनाई है। वह मल्टी-स्टारर प्रोजेक्ट्स के लिए भी जाने जाते हैं। साजिद खान अपनी फिल्मों में हर एक्टर को उसकी शानदार अदाकारी के लिए फिल्मों में एक्टिंग कराते हैं। लेकिन साल 2014 में आई फिल्म हमशकल्स के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। इस फिल्म में सैफअली खान, रितेश देशमुख और राम कपूर मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था।

5. आग-1.7 राम गोपाल वर्मा की फिल्म आग मल्टी स्टार फिल्म थी। इसमें अमिताभ बच्चन,अजय देवगन, मोहनलाल,सुष्मिता सेन सहित कई कलाकारों ने इसमें अदाकारी की थी। दर्शकों को उम्मीद थी यह फिल्म सुपरहिट साबित होगी। लेकिन यह फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप हो गई और हिम्मतवाला और हमशकल्स के बाद यह रेटिंग के मामले में 5वें स्थ्थान पर आई।

सुशांत सिंह केसः एनसीबी ने कसा रिया चक्रवर्ती पर शिकंजा

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में आए दिन बड़े खुलासे हो रहे हैं जिसकी वजह से केस में लगातार नए मोड़ आ रहे हैं। इस मामले की जांच सीबीआई पिछले 11 दिनों से कर रही है जबकि इससे पहले ईडी ने अपनी जांच शुरु कर दी थी। लेकिन जब से सुशांत केस में ड्रग्स का एंगल सामने आया है उसके बाद से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी में जांच में जुट गई है।सुशांत मामले में सोशल मीडिया में जब ड्रग्स को लेकर रिया चक्रवर्ती की एक व्हाट्सएप चौट सामने आई उसके बाद से एनसीबी ने भी जांच शुरु कर दी। इसी के बीच एनसीबी ने आपराधिक मामला भी रिया चक्रवर्ती के खिलाफ ड्रग्स के मामले में दर्ज कर लिया है। खबरों के अनुसार,ड्रग्स के मामले में एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती के साथ दो अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर दिया गया है। फारूख शेख उर्फ फारूक बत्ता और बकुल चंदलिया नाम के इन दोनों शख्स के खिलाफ एनसीबी ने रिया के साथ मामला दर्ज किया है। ऐसा कहा जा रहा है कि ड्रग्स की सप्लाई फिल्म इंडस्ट्री में यही दोनों करते हैं। हालांकि एनसीबी भी इन दोनों से सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में पूछताछ कर सकती है। सूत्रों के हवाले से, रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक चक्रवर्ती, फारूख शेख और बकुल चंदलिया पर धारा 20,22,27 और 29 के तहत नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ पर एनसीबी ने बीते 26 अगस्त को किया था। अब मीडिया रिपोटर्स के मुताबिक,आपराधिक मामला ड्रग्स साजिश करने के लिए एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती के खिलाफ दर्द कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, नाराकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को ईडी ने पत्र पिछले दिनों लिखा और जांच करने को इस मामले में कहा। उन्होंने एनसीबी को कहा कि ड्रग्स रिया चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत के पास कहां से आते थे यह पता लगाएं। नाराकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के निर्देशक राकेश अस्थ्थाना ने इस मामले में जानकारी देते हुए बताया कि,हमें ईडी को ओर से मंगलवार शाम को पत्र मिला है और ड्रग्स के मामले में आर्थिक पहलू से जांच करने को बोला है। उन्होंने पाया है कि रिया और सुशांत को ड्रग्स सप्लाई होती थी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो इस मामले में एक टीम बनाएगी और इससे जुड़े सभी लोगों से पूछताछ करेगी। सूत्रों के अनुसार, रिया चक्रवर्ती की मैनेजर जया शाह से ईडी ने हाल ही में पूछताछ की है। इस पूछताछ में कुछ ड्रग्स को लेकर उन्होंने यह पता किया कि उन लोगों में बात हुई थी। जबकि खबरों की मानें तो रिया चक्रवर्ती के कुछ व्हाट्सएप चौट सीबीआई और नारकोटिक्स ब्यूरो को ईडी ने सोंप दिए हैं। ऐसी खबरें आ रही हैं कि ड्रग डीलिंग का पहलू भी सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में नारकोटिक्स ब्यूरो को चौट सौंप के बाद जुड़ चुका है।

सुशांत सिंह राजपूत ने मौत से एक महीने पहले बहन प्रियंका को बनाया था नॉमिनी

सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच सीबीआई के साथ ही ईडी और एनसीबी भी कर रहे हैं। इस केस में रोजाना नए दावे और खुलासे सामने आ रहे हैं। अभी तक की जांच में सीबीआई को सुशांत की हत्या से संबंधित को ई सबूत नहीं मिला है और अब एजेंसी इस केस में आत्महत्या के लिए उकसाने वाले ऐंगल से आगे बढ़ने के बारे में सोच रही है। सुशांत की फैमिली ने भी रिया और उनके परिवार पर ऐसे ही आरोप लगाए हैं। अब मामले में एक और बात सामने आ रही है जो सुशांत की बैंक अकाउंट से संबंधित है। इंडिया टुडे की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत ने अपनी प्रॉपर्टी और इन्वेस्टमेंट का नॉमिनी अपनी बहन प्रियंका सिंह को बनाया था।

रिपोर्ट में बताया गया है किस सुशांत ने यह काम लगभग 20 मई के आसपास किया था। यानी कि सुशांत ने अपनी मौत के लगभग एक महीने पहले ही अपनी बहन को अपने पैसे और संपत्ति का नॉमिनी बनाया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सुशांत और बैंक के एक अधिकारी के बीच इस मुद्दे पर वॉट्सऐप पर बात हुई थी जिसमें इन्वेस्टमेंट के बारे में बात की गई थी। पहले की कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सुशांत और रिया के प्रियंका सिंह के साथ संबंध बहुत अच्छे नहीं थे। यह भी दावा किया जा रहा है कि सुशांत की अपनी बहन से लड़ाई भी हुई थी। हालांकि अगर इस हालिया रिपोर्ट को मानें तो यह बात गलत साबित होती है कि सुशांत और प्रियंका के संबंध अच्छे नहीं थे। इस रिपोर्ट से यह दावा भी खारिज होता है कि रिया चक्रवर्ती पूरी तरह से सुशांत के फाइनैंशल फैसले ले रही थीं। हालांकि अभी इस मामले में कुछ भी कहा जाना मुश्किल है।सुशांत के परिवार ने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार के साथ ही सुशांत के सहयोगियों पर कई तरह के आरोप लगाए हैं। जांच में ड्रग चौट का ऐंगल सामने आने के बाद यह जांच पूरी तरह से नए रास्ते पर चली गई है और सुशांत के परिवार ने रिया पर सुशांत को ड्रग्स देने का आरोप लगाया है। अब इस मामले की जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कर रहा है और उसने मामले में कुछ कथित ड्रग्स सप्लायर्स को भी अपनी हिरासत में लिया है।

रिया की 12 जून वाली इन तस्वीरों ने खड़े किये ये गंभीर सवाल,इस दिन एक्ट्रेस थीं बॉयफ्रेंड सुशांत के घर

सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती सीबीआई के निशाने पर है। हाल ही में रिया ने मुंबई पुलिस,ईडी और सीबीआई को दिए हुए अपने बयान में बताया है कि वो 8 जून को सुशांत के घर से चली गई थीं। साथ ही एक्ट्रेस का कहना यह भी है इसके बाद उनकी सुशांत से कोई बात नहीं हुई साथ ही साथ उन्होंने गुस्से में आकार उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया था,मगर इस बीच सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आई है। जो रिया के द्वारा किए गए दावों पर से पर्दा उठाती हैं।

सवाल ये है क्या रिया 12 जून को सुशांत के घर पर ही थीं अगर नहीं थीं तो फिर क्या यह कुछ पुरानी तस्वीरें हैं जिन्हें 12 जून को पोस्ट किया गया है? रिया चक्रवर्ती की कुछ फोटोज एक केक दुकान ने अपने इंस्टा पर साझा की हैं और ये सभी तस्वीरें 12 जून की हैं। वहीं बताया जाता है कि इन फोटोज को रिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया था। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने इस केक शॉप वाले को शुक्रिया भी कहा साथ ही सुशांत की एक्स मैनेजर श्रुति मोदी का नाम भी लिया। दरअसल केक शॉप के इंस्टाग्राम पर एक दो नहीं बल्कि कई सारी तस्वीरें हैं। अब रिया पर सवाल यह भी उठ रहे हैं कि उन्होंने 12 जून 2020 को ये केक आखिरकार किसके लिए मंगवाया था। वैसे रिया की इन फोटोज में उनके पीछे का जो सारा एरिया नजर आ रहा है वो सुशांत के लिविंग रूम का है। इसके अलावा एक्टर के घर एक एक एस्ट्रानॉट का फ्रेम भी लगा हुआ है,जिसका किनारा हुबहू सुशांत के लिविंग रूम के जैसा है। वैसे यह तस्वीरें पुरानी भी हो सकती हैं। ओर क्या पता तस्वीरें केक शॉप के प्रमोशन के लिए भी हों,जो रिया ने पहले से ही क्लिक करवाई हों। क्योंकि स्टार्स के सोशल मीडिया अकाउंट्स को उनके सोशल मीडिया मैनेजर ही हैंडल करते हैं। तो हो सकता है कि रिया की केक वाली ये फोटोज पुरानी हों और केक शॉप से प्रमोशनल डीलिंग के बाद ही इन तस्वीरों को साझा किया गया हो। इन सब बातों के अलावा 12 जून की तारीख को लेकर एक खुलासा रूमी जाफरी की ओर से भी किया गया है। जी हां जाफरी ने अपने बयान में कहा कि 12 जून को उन्होंने सुशांत के साथ एक फिल्म फाइनल की थी।

खेसारीलाल यादव की फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग सितंबर से

भोजपुरी अभिनेता-गायक खेसारीलाल यादव की आने वाली फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग सितंबर से शुरू होगी।वैश्विक महामारी कोरोना के बीच देश अब अनलॉक 4 की ओर बढ़ चला है और स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। निर्देशक पराग पाटिल और खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'लिट्टी चोखा' की शूटिंग का डेट अनाउंस कर दिया गया है। बाबा मोशन पिक्चर प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने सितंबर से शुरू हो जायेगी। इसकी जानकारी पराग पाटिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए दी है। फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के खूबसूरत लोकेशन पर होगी। इस फिल्म के निर्माता प्रदीप के शर्मा हैं और कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है।

पराग पाटिल ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म के पोस्टर के साथ 'कभी ना दूंगा धोखा प्रिये, क्या ये संगम अनोखा हैतु हमार लिट्टी और हम तोहार चोखा प्रियेज' लिखा। पराग पाटिल ने कहा कि फिल्म 'लिट्टी चोखा' को हम बिहार और उत्तर भारत की संस्कृति से जोड़ कर बनाने वाले हैं।

इस फिल्म के जरिये बिहार और उत्तर प्रदेश के दलित, उत्पीड़ित और पिछड़े जातियों के शोषण को उजागर किया जायेगा। यह फिल्म जाति, धर्म और वर्ग में भेदभाव को समाप्त करने की कोशिश होगी।'लिट्टी चोखा' शब्द उस माटी से जुड़ा है, जहां हर घर में लिट्टी चोखा है। फिल्म में मनोज सिंह टाइगर, पदम सिंह, प्रगति भट्ट, प्रीति सिंह, श्रुति राव, उत्कर्ष, देव सिंह, करण पांडे, प्रकाश जैश जैसे कई कलाकार शामिल है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।